सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

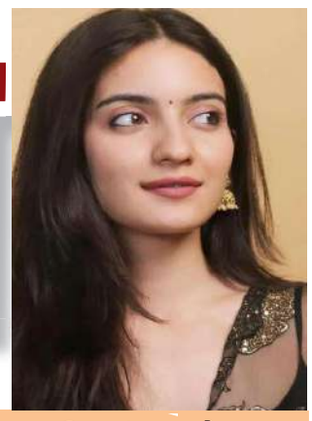

सूर्यकुमार पर बड़ा एशन,आईसीसी ने फाइनल से पहले की कार्रवाई -पेज: 7

मेरी ताकत परिवार का ह्श्वयार, इसने मेरी शक्ति को जगाया : प्रतिभा रांटा -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 170 | शनिवार 27 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

लेह के हर कोने में सन्नाटा, सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के बाद इंटरनेट सेवाएं बंद

नई दिल्ली (एजेंसी): लद्दाख में बुधवार को हुई हिंसा के सिलसिले में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों बाद, प्रशासन ने शुक्रवार को लेह में मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दीं। इस हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। 59 वर्षीय वांगचुक ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू किया और लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग की। नवप्रवर्तक-सुधारवादी वांगचुक ने केंद्र शासित प्रदेश (यूटी) के लिए राज्य का दर्जा देने की भी मांग की है, जिसे अगस्त 2019 में केंद्र द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद जम्मू और कश्मीर से अलग कर दिया गया था। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने वांगचुक द्वारा स्थापित एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ), स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) का विदेशी फंडिंग लाइसेंस भी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- मां दुर्गा से प्रार्थना है कि 2026 में बंगाल में 'सोनार बांग्ला' वाली सरकार बने

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां संतोष मित्रा स्क्वायर के दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया और कहा कि उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद, एक नयी सरकार बने जो राज्य के खोए हुए 'सोनार बांग्ला' गौरव को बहाल करे। शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल को एक बार फिर सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बनना चाहिए और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर का सपना पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा, मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि इस विधानसभा चुनाव के बाद एक ऐसी सरकार बने जो राज्य को 'सोनार बांग्ला' (स्वर्णिम बंगाल) बना सके। हमारा बंगाल एक बार फिर सुरक्षित, समृद्ध, शांतिपूर्ण और समृद्ध बने। हम कवि गुरु रवींद्रनाथ टैगोर की कल्पना के

अनुरूप बंगाल का निर्माण कर सकें।" उत्तर कोलकाता में संतोष मित्रा स्क्वायर सर्बोजनिन दुर्गोत्सव समिति के पंडाल के उद्घाटन के मौके पर शाह ने कहा, ह्यह्यमैं बंगाल और देश के लोगों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं देता हूं।" गृह मंत्री ने राज्य में हाल में हुई वर्षाजनित घटनाओं में हुई मौतों पर भी शोक व्यक्त किया। शाह ने कहा, उत्सव की शुरूआत में, हमने एक बहुत ही दुखद क्षण का अनुभव किया। दस से अधिक लोगों की जान चली गई। मैं मारे गये सभी लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं।" गत 23 सितंबर को कोलकाता और आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई थी। शाह

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद.....

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां संतोष मित्रा स्क्वायर के दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया और कहा कि उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद, एक नयी सरकार बने जो राज्य के खोए हुए 'सोनार...

ने बंगाल के दुर्गा पूजा उत्सव को एक सांस्कृतिक धरोहर बताया, जिसकी प्रशंसा पूरे विश्व में की जाती है। उन्होंने कहा, यह नौ दिवसीय नवरात्र उत्सव न केवल बंगाल और भारत में, बल्कि पूरे विश्व में प्रसिद्ध हो गया है। बंगाल की इस महान परंपरा को पूरी दुनिया बड़े हर्षोल्लास के साथ देखती है। नौ दिनों तक, बंगाल में हर कोई शक्ति की उपासना में समर्पित रहता है।" शाह ने कहा, दुर्गा पूजा का त्योहार बंगाल को नयी ऊंचाइयों की ओर ले जाए और राज्य के विकास के माध्यम से हम एक विकसित भारत के विचार को साकार करने में सक्षम हों जिसका सपना हमारे नेता नरेन्द्र मोदी जी ने देखा है।" गृह मंत्री ने साल्ट लेक स्थित पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (ईजेडसीसी) में भाजपा समर्थित पश्चिम बंग संस्कृति मंच के दुर्गा पूजा पंडाल का भी उद्घाटन किया। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने शिक्षाविद् एवं समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि भी दी। शाह ने कहा, विद्यासागर जी ने न केवल बंगाल में, बल्कि औपनिवेशिक काल में पूरे देश में शिक्षा के लिए जो किया, उसे कोई नहीं भूल सकता। उन्होंने अपना पूरा जीवन बांग्ला भाषा, राज्य की संस्कृति और महिलाओं की शिक्षा के लिए समर्पित कर दिया। आज, करोड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से, मैं ईश्वर चंद्र विद्यासागर के चरणों में नमन करता हूं।"

प्रियंका गांधी का एनडीए पर सीधा वार: महिला रोजगार योजना 'वोट खरीदने का प्रयास'

पटना (एजेंसी): कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिहार में शुरू की गई मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की आलोचना करते हुए तर्क दिया कि यह महिलाओं को सम्मान देने के बजाय वोट खरीदने का प्रयास है। पटना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रियंका गांधी ने चुनाव से पहले इस योजना के शुभारंभ पर सवाल उठाया और सलाह दी कि महिलाओं का सम्मान करने का सही तरीका उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनने में मदद करना है। प्रियंका गांधी ने कहा कि आपको देखना होगा कि कौन सी पार्टी आपको सम्मान दे रही है। सम्मान का मतलब चुनाव से ठीक 10 दिन पहले आपको 10,000 रुपये देना नहीं है। यह

खरीदने का प्रयास है। आपका सम्मान तब होगा जब आपको उचित मासिक वेतन मिलेगा, जब सरकार आपको अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद करेगी, जब आपकी बेटियाँ स्कूल जाएँगी और सुरक्षित महसूस करेंगी। उन्होंने एनडीए सरकार पर महिलाओं की आवाज दबाने का आरोप लगाया और कहा कि वे महिलाओं को कभी सम्मान नहीं देंगे। प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा और नीतीश सरकार आपको ऐसा सम्मान कभी नहीं देगी। यहाँ, जब आप अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, तो आपको पीटा जाता है और जेल में डाल दिया जाता है। वायनाड की सांसद ने सवाल किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने पिछले 20 सालों में इस योजना की घोषणा क्यों नहीं की, यह सुझाव देते हुए कि यह मतदाताओं को लुभाने का एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि चुनाव नजदीक आ रहे हैं, और चुनाव से मुश्किल से एक महीना ही दूर हैं। उन्होंने घोषणा की है कि वे आपको 10,000 रुपये देंगे। पिछले 20 सालों से कौन सरकार में रहा है? पिछले 20 सालों से किसने नीतियाँ बनाईं? उन्होंने आपको पिछले 20 सालों से 10,000 रुपये क्यों नहीं दिए? उन्होंने आपको यह नहीं बताया कि आपको यह राशि हर महीने मिलेगी। उन्होंने आपको यह नहीं बताया कि यह राशि आपकी कीमत बन जाएगी।

देश तोड़ने की साजिश: गिरिराज सिंह बोले, ओवैसी-कांग्रेस का है गजवा-ए-हिंद प्लान

पटना (एजेंसी): केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधते हुए उन पर मुसलमानों को भड़काने का आरोप लगाया और कहा कि ओवैसी, कांग्रेस के साथ मिलकर भारत में गृहयुद्" चाहते हैं। एएनआई से बात करते हुए, गिरिराज सिंह ने कहा कि वह मुसलमानों के नेता हैं। वह मुसलमानों को भड़काते हैं। वह और कांग्रेस गृहयुद्ध चाहते हैं, और कुछ नहीं। वे गजवा-ए-हिंद के पक्षधर हैं और देश के टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं। ऐसा नहीं होने वाला है। हमारे पूर्वजों ने गलती की थी। अगर उन्होंने 1948 में ओवैसी जैसे लोगों को पाकिस्तान भेज दिया होता और पाकिस्तान से हिंदुओं को यहाँ लाया जाता, तो वह यहाँ पैदा ही नहीं

होते। सिंह की यह टिप्पणी बेगूसराय में ओवैसी की चुनावी रैली से पहले आई है। एआईएमआईएम प्रमुख अपनी पार्टी के लिए समर्थन जुटाने के लिए 24 से 27 सितंबर तक बिहार के दौरे पर हैं। इससे पहले, गिरिराज सिंह ने आरोप लगाया था कि ओवैसी घुसपैठियों को बचाने के लिए बिहार में रैलियाँ कर रहे हैं। मंगलवार को एएनआई से बात करते हुए, सिंह ने दावा किया कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की 'मतदाता अधिकार यात्रा' के बाद, ओवैसी की चार दिवसीय यात्रा का उद्देश्य बांग्लादेशी और रोहिंग्या प्रवासियों को बचाना है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव ने SIR यानी घुसपैठियों को बचाने के लिए एक यात्रा निकाली थी। अब ओवैसी आ रहे हैं... ये लोग सभी बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं को बचाने आ रहे हैं। इसके अलावा, सिंह ने कहा कि बिहार में एनडीए सरकार ने कब्रिस्तानों के चारों ओर बाड़ लगाकर और वित्तीय सहायता प्रदान करके मुस्लिम समुदाय के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, "जहां तक मुसलमानों का सवाल है, नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी ने मुसलमानों के लिए जो किया है, वह आज तक देश में कभी नहीं हुआ। नीतीश कुमार के अलावा, क्या लालू जी ने कब्रिस्तानों की बाड़बंदी की? मुस्लिम लड़के-लड़कियों को वजीफा दिया? वे क्या न्याय देंगे? वे भड़काने आ रहे हैं।"

केरल से बिहार तक एसआईआर पर संग्राम: कांग्रेस ने सीएम विजयन को घेरा, उठाए बड़े सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी): वरिष्ठ कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर रुख की आलोचना की। पत्रकारों से बात करते हुए, वेणुगोपाल ने कहा कि मुख्यमंत्री विजयन को छोड़कर, जो इसका समर्थन करते रहे हैं, हर कोई एसआईआर का विरोध करता है। उन्होंने कहा, "केरल के मुख्यमंत्री को छोड़कर, जो इसका समर्थन करते रहे हैं, हर कोई एसआईआर का विरोध करता है।" इसके अलावा, बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठे विवाद के बीच, कांग्रेस महासचिव गुलाम अहमद मीर ने बुधवार को कहा कि पार्टी लोगों के बीच जाएगी और यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पात्र मतदाता मताधिकार से वंचित न रहे। मीर ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसआईआर के खिलाफ नहीं है,

लेकिन बिहार में इसके अचानक लागू होने के खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा कि अगर चुनाव आयोग एसआईआर लागू करना ही चाहता था, तो उसे लोकसभा चुनावों के तुरंत बाद पूरे देश में ऐसा करना चाहिए था। एएनआई से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा, "...कांग्रेस एसआईआर के खिलाफ नहीं है। उन्हें (चुनाव आयोग को) लोकसभा चुनावों के बाद इसे पूरे देश में लागू करना चाहिए था, और लोगों को अपने दस्तावेज तैयार करने के लिए एक निश्चित समय दिया जाना चाहिए था... हम इस मुद्दे पर लोगों के बीच जाएँगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि 18 साल से ज्यादा उम्र का कोई भी व्यक्ति अपना वोट देने का अधिकार न खोए..." इससे पहले, बुधवार को, कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने पटना में एक बैठक के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा और उस पर "लोकतांत्रिक संस्थाओं और संवैधानिक मूल्यों को व्यवस्थित रूप से खत्म करने" का आरोप लगाया।

भाजपा की विफल विदेश नीति से देश को नुकसान, वर टैरिफ पर अखिलेश का सरकार पर सीधा हमला

लखनऊ (एजेंसी): समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी की विदेश नीति को "विफल" करार दिया और अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ के कारण भारत के व्यवसायों और व्यापार को हो रहे नुकसान के लिए सरकार को ज़िम्मेदार ठहराया। अखिलेश यादव की यह कड़ी आलोचना अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अक्टूबर से प्रभावी ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद आई है। अखिलेश यादव ने एएनआई से कहा कि वे हमारी अर्थव्यवस्था को लगातार नुकसान पहुँचा रहे हैं। और टैरिफ के कारण हमारे व्यापार को नुकसान हो रहा है। भाजपा की विदेश नीति विफल होती दिख रही है। यह उनकी विफलता है कि हमारे व्यवसाय, व्यापार और हमारा राष्ट्र नुकसान उठा रहे हैं। अगर 50-100% टैरिफ लग जाएँ तो हमारे व्यापारी और कारोबारी क्या करेंगे? 100 प्रतिशत टैरिफ केवल पेटेंट या ब्रांडेड उत्पादों पर लागू होते हैं

और जेनेरिक दवाओं पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात में मुख्य रूप से जेनेरिक दवाएं और सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) शामिल हैं, जो इस टैरिफ के अंतर्गत नहीं आते। इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा, "आयातित दवाओं पर यह [100 प्रतिशत टैरिफ अमेरिका के बाहर निर्मित पेटेंट ब्रांडेड उत्पादों पर लागू है। यह जेनेरिक दवाओं पर लागू नहीं होता, क्योंकि भारत अमेरिका को ज्यादातर जेनेरिक उत्पाद ही देता है। भारत अमेरिका को लगभग 10 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य की दवाइयाँ निर्यात करता है। इनमें मुख्य रूप से जेनेरिक उत्पाद और एपीआई शामिल हैं। इसलिए इस आदेश से भारत पर कोई असर पड़ने की संभावना नहीं है।" भारतीय दवा क्षेत्र विभिन्न टीकों की वैश्विक मांग का 50 प्रतिशत से अधिक, अमेरिका में जेनेरिक मांग का 40 प्रतिशत और ब्रिटेन में सभी दवाओं का 25 प्रतिशत आपूर्ति करता है। भारत का वार्षिक दवा और दवा नियांत वित्त वर्ष 25 में रिकॉर्ड 30 बिलियन अमेरिकी डॉलर को छू गया, जो मार्च में साल-दर-साल 31 प्रतिशत की वृद्धि से मजबूत हुआ। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार, दवा और दवा निर्यात अगस्त 2024 में 2.35 बिलियन अमेरिकी डॉलर से 6.94 प्रतिशत बढ़कर अकेले अगस्त 2025 में 2.51 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। इसके अतिरिक्त, अखिलेश यादव ने जीएसटी सुधारों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा और पूछा कि क्या सरकार पिछले नौ वर्षों से जीएसटी के नकारात्मक प्रभाव से अनजान थी। यादव ने तर्क दिया कि नए सुधार सरकार के मुनाफे को बनाए रखते हैं, क्योंकि उन्होंने एक क्षेत्र में जीएसटी बढ़ाया और दूसरे में इसे कम किया।

दिवाली से पहले सीएम योगी का 5 लाख से ज्यादा छात्र-छात्राओं को तोहफा, सीधे अकाउंट में आएगा स्कॉलरशिप का पैसा

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में छात्रवृत्ति से वंचित पांच लाख से अधिक विद्यार्थियों को दीपावली से पहले छात्रवृत्ति दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में वंचित विद्यार्थियों को यह भरोसा दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, अनुसूचित जाति-जनजाति के करीब पांच लाख विद्यार्थियों को संस्थान की ओर से डाटा अपलोड न करने की वजह से छात्रवृत्ति नहीं मिल पायी क्योंकि डाटा लॉक हो गया था। ऐसे विद्यार्थियों को दीपावली से पहले छात्रवृत्ति देने की तैयारी की गई है। विद्यार्थियों को खातों में दी जाएगी छात्रवृत्ति योगी आदित्यनाथ ने कहा, छात्रवृत्ति से वंचित सभी विद्यार्थियों को दीपावली से पहले उनके बैंक खातों में छात्रवृत्ति की रकम भेज दी जाएगी। वहीं जिनकी वजह से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पायी है, उनकी भी जवाबदेही तय की जाएगी ताकि आने वाले समय में ऐसी त्रुटि न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले छात्रवृत्ति वितरित की जाती थी, लेकिन छात्र के खाते में पहुंचती नहीं थी क्योंकि इसमें मनमानी होती थी। उन्होंने कहा कि पहले जो छात्रवृत्ति विद्यार्थियों को सितंबर-अक्टूबर में प्राप्त होनी चाहिए थी, वह

उन्हें मार्च-अप्रैल तक मिलती थी और इसमें भी भेदभाव होता था। उन्होंने दावा किया कि वर्ष 2016 में अनुसूचित-जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति ही नहीं दी गई। 'विभाजनकारी ताकतों ने देश को गुलाम बनाया था' उन्होंने कहा, जब वर्ष 2017 में हमारी सरकार आई, तो हमने वर्ष 2016-17 और 2017-18 की छात्रवृत्ति प्रदेश के विद्यार्थियों को प्रदान की।" मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017-18 से

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में छात्रवृत्ति से वंचित पांच लाख से अधिक विद्यार्थियों को दीपावली से पहले छात्रवृत्ति दी जाएगी .....

वित्तीय वर्ष202425 तक अनुसूचित जाति-जनजाति के एक करोड़ 23 लाख विद्यार्थियों को 9,150 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई है। यह पैसा डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में भेजा गया। वर्ष 2017-18 से 2024-25 के बीच में सामान्य वर्ग के 58 लाख 90 हजार छात्र-छात्राओं को 5,945 करोड़ रुपये उनके बैंक खाते में भेजे गये। योगी ने विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि विभाजनकारी ताकतों ने देश को गुलाम बनाया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत के लिए अभियान चलाया जा रहा है। 'हमारे देश ने ही शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया' उन्होंने कहा कि कुछ लोग आत्मनिर्भर और विकसित भारत की राह में फिर से बाधक बन करके समाज को बांटने का काम कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, हमारा प्रयास होना चाहिए कि हमें बंटना नहीं है, हमें एकजुट होकर बेहतर शिक्षा के लिए हर छात्र को स्कूल तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने 2017 के बाद से दी जाने वाली छात्रवृत्ति का ब्योरा देते हुए कहा कि वर्ष 2017-18 में 1,648 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती थी और आज 3,124 करोड़ 45 लाख रुपये की छात्रवृत्ति पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश ने ही शिक्षा के अधिकार को मौलिक अधिकार बनाया। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी को छात्रवृत्ति प्राप्त हो सके, इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक राष्ट्र, एक छात्रवृत्ति' की व्यवस्था लागू की है।

संपादकीय

सुलग उठा लद्दाख

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर आंदोलनकारियों व पुलिस की झड़पों में चार लागों की मौत हो गई। हिंसा के बाद जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठी अनुसूची के विस्तार को लेकर पंद्रह दिनों से चली आ रही भूख हड़ताल भी खत्म कर दी। सरकार पूर्ण राज्य के दर्जे व छठी अनुसूची में शामिल करने को लेकर कुछ लोगों को दोषी ठहरा रही है, और कह रही है, वे बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। केंद्र ने स्पष्ट किया कि इन विषयों पर बैठक अक्टूबर की बजाय इसी माह के अंत में की जा सकती है। आंदोलनकारी संगठनों से बातचीत भी की गई है। वांगचुक की निजी महत्त्वाकांक्षाओं के कारण लद्दाख व उसके युवाओं को भारी कीमत चुकाने की चर्चा भी गृह मंत्रालय कर रहा है। इस हिंसा को साजिश का नतीजा बताया जा रहा है, और माहौल खराब करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा सकती है। लद्दाख जैसी शांत जगह में इससे पहले 1989 में बड़ी हिंसा हुई थी। वांगचुक पर आरोप है कि उन्होंने अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेन-जी प्रदर्शनों का हवाल दिया जिससे जनता गुमराह हो सकती है। हालांकि उन्होंने युवाओं से अपील की कि हिंसा बंद करें क्योंकि इससे स्थिति खराब होगी। वांगचुक ने पांच बार भूख हड़ताल का हवाला देते हुए शांति के संदेश को असफल होते देख दुख व्यक्त किया। संविधान की छठी अनुसूची पूर्वोत्तर के राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम व असम की जनजातीय आबादी के लिए बनाई गई है। इसके तहत विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। लद्दाख के युवाओं में आरक्षण के प्रति भी आक्रोश है। अनुसूचित जनजातियों के लिए 45प्र. से आरक्षण बढ़ा कर 84प्र. किया गया है व महिलाओं को तिहाई आरक्षण दिया गया है। आंदोलनकारी लेह व करगिल के लिए अलग-अलग लोक सभा सीटों की भी मांग कर रहे हैं। बेशक, सरकार के किसी भी निर्णय में स्थानीय जनता की मांगों व जरूरतों को तवज्जो दी जानी चाहिए। एकतरफा फैसले जनता को उकसाने वाले साबित हो सकते हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों का अधिकार देश के हर नागरिक को है पर भीड़.के उग्र होने, आगजनी, तोड़फोड़. व उन्माद फैलाने पर अंकुश रखना सरकार के लिए जरूरी है। इस इलाके के चीन के सीमा से लगे होने के चलते कोई भी बड़ा निर्णय लेने से पूर्व चौतरफा विचार-विमर्श की जरूरत को नजरंदाज नहीं किया जा सकता।

ओबीसी और ईबीसी वोटों की लामबंदी की कवायद

कुमार कृष्णन

पिछले 20 सालों में जो नीतीश की खूंटा गाड़ राजनीति में पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग काफी अहम रहे हैं।राहुल गांधी भी अपनी यात्रा के दौरान इसी वर्ग को साधने की कोशिश की है। पर नीतीश राजनीति के माहिर खिलाड़ी माने जाते हैं।बिहार में सत्ता की चाबी ओबीसी और ईबीसी के हाथों में ही मानी जाती है।

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए अपने अभियान की शुरूआत करते हुए कांग्रेस ने तथाकथित वोट चोरी , मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और बढ़ते आर्थिक संकट को लेकर भाजपा पर चौतरफा हमला बोला और कहा कि आगामी चुनाव सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरूआत का प्रतीक होंगे।

विपक्षी दल ने विदेश नीति को लेकर भी केंद्र की आलोचना की और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलिंगनात्मक नीति उल्टी पड़ गई है, जिससे भारत कूटनीतिक रूप से अलग-थलग पड़ गया है और अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने में असमर्थ हो गया है।

पटना स्थित पार्टी के सदाकत आश्रम मुख्यालय में कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में किया गया। यह स्वतंत्रता के बाद बिहार में पार्टी की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था की पहली बैठक थी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई सीडब्ल्यूसी की बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए - एक राजनीतिक और दूसरा बिहार के मतदाताओं से अपील। बैठक में पूर्व पार्टी प्रमुख राहुल गांधी, के.पाध्यक्ष अजय माकन, महासचिव केसी वेणुगोपाल, सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव,जयराम रमेश और सचिन पायलट तथा बिहार कांग्रेस प्रमुख राजेश कुमार सहित अन्य लोग शामिल हुए। अपने उद्घाटन भाषण में खड़गे ने कहा कि भाजपा ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मानसिक रूप से सेवानिवृत्त कर दिया है और उन्हें बोझ समझती है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव केंद्र में मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन के अंत की शुरूआत होगी। उन्होंने वोट चोरी , आर्थिक मंदी, बेरोजगारी, सामाजिक ध्रुवीकरण और स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने और कमजोर करने जैसे कई मुद्दों पर भाजपा पर सीधा हमला बोला।खड़गे ने कहा कि विभिन्न राज्यों से प्राप्त खुलासों पर सवालों के जवाब देने के बजाय, चुनाव आयोग हमसे हलफनामे की मांग कर रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का जिक्र करते हुए कहा कि बिहार की तर्ज पर अब पूरे देश में लाखों लोगों के वोट हटाने की साजिश रची जा रही है।

उन्होंने कहा कि वोट चोरी का मतलब दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, अत्यंत पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों, कमजोरों और गरीबों के राशन, पेंशन, दवा, बच्चों की छात्रवृत्ति और परीक्षा शुल्क की चोरी है।बिहार पर ध्यान केंद्रित करते हुए खड़गे ने कहा, एनडीए गठबंधन के भीतर आंतरिक कलह अब खुले तौर पर दिखाई दे रही है। नीतीश कुमार को भाजपा ने मानसिक रूप से रिटायर कर दिया है। भाजपा अब उन्हें एक बोझ मानती है।

उन्होंने कहा, 2025 का विधानसभा चुनाव न केवल बिहार के लिए बल्कि पूरे देश के लिए मील का पत्थर साबित होगा। यह मोदी सरकार के भ्रष्ट शासन की उल्टी गिनती और अंत की शुरूआत होगी।

कांग्रेस ने बिहार में वोट चोरी और मतदाता सूची के एसआईआर मुद्दे को लेकर मोदी सरकार और चुनाव आयोग पर अपना हमला तेज कर दिया।अपने राजनीतिक प्रस्ताव में, सीडब्ल्यूसी ने कहा कि चुराए गए जनादेशों और धांधली वाली मतदाता सूचियों पर बनी सरकार की कोई नैतिक या राजनीतिक वैधता नहीं है, और दावा किया कि एसआईआर की साजिश भाजपा के टूल किट से एक और गंदी चाल थी, ताकि सत्ता पर काबिज रहने के लिए मतदाता सूचियों में हेरफेर किया जा सके।

बैठक के बाद कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि अगले एक महीने में गांधी वोट चोरी पर और खुलासे करेंगे जो हाइड्रोजन बम, मिनी हाइड्रोजन बम, यूरेनियम बम और प्लूटोनियम बम के समान होंगे।

उन्होंने कहा, यह तो बस शुरूआत है। कर्नाटक में महादेवपुरा और अलंद से संबंधित खुलासे तो बस शुरूआत हैं, और इस प्रस्ताव में वोट चुराने के अभियान की एक लंबी कहानी है।

उन्होंने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ 5 करोड़ हस्ताक्षर एकत्र करने का अभियान 15 सितंबर से शुरू किया गया है और यह 15 अक्टूबर तक जारी रहेगा तथा ये 5 करोड़ हस्ताक्षर चुनाव आयोग को सौंपे जाएंगे।

राजनीतिक प्रस्ताव में कांग्रेस कार्यसमिति ने कहा कि भारत का चुनाव आयोग, जो लंबे समय से हमारे जीवंत लोकतंत्र की आधारशिला रहा है, उसे सरकार का गुलाम मुखपत्र बना दिया गया है।प्रस्ताव में कहा गया, वोट चोरी और मतदाता सूची में अनियमितताओं ने हमारे लोकतंत्र की बुनियाद में जनता के विश्वास को हिला दिया है। कांग्रेस कार्यसमिति ने बेशर्मी से वोट चोरी का पदार्फाश करने और लोकतंत्र को तहस-नहस करने के इन बेशर्म प्रयासों का बहादुरी से मुकाबला करने के लिए राहुल गांधी को सलाम करने का संकल्प लिया।

प्रस्ताव में कहा गया है, यह भाजपा के लिए निर्वाचित बहुमत बनाने के लिए इस्तेमाल की गई व्यवस्थित और जानबूझकर की गई साजिश को उजागर करता है। चुराए गए जनादेश और धांधली वाली मतदाता सूचियों पर बनी सरकार की कोई नैतिक या राजनीतिक वैधता नहीं है।बिहार के मतदाताओं से अपनी अपील में कांग्रेस कार्यसमिति ने लोगों से अपने वोट की ताकत पहचानने का आग्रह किया।

कांग्रेस कार्यसमिति ने घोषणा की कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की साजिश आज हमारे लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ा खतरा है।कार्यसमिति ने कहा, जैसा कि बिहार में स्पष्ट है, इस प्रक्रिया को दलितों, ओबीसी, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों जैसे हाशिए पर रहने वाले समुदायों के नागरिकों से उनके वोट के अधिकार को व्यवस्थित रूप से छीनने के लिए तैयार किया गया है।इसमें कहा गया है, मतदान के अधिकार पर हमले के माध्यम से यह वंचितता सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में उनके अधिकारों के साथ-साथ संवैधानिक रूप से गारंटीकृत आरक्षण को भी छीन लेगी। जब लोगों का वोट चुराया जाता है, तो उसके साथ उनका भविष्य, उनकी गरिमा और उनके संवैधानिक अधिकार भी छीन लिए जाते हैं।

बिहार में एनडीए सरकार को नोट चोर करार देते हुए कांग्रेस ने यह भी कहा कि भ्रष्टाचार और अपराध राज्य में तथाकथित डबल इंजन सरकार के दो असली इंजन साबित हुए हैं।

एआईः अवसरों और चुनौतियों का युग

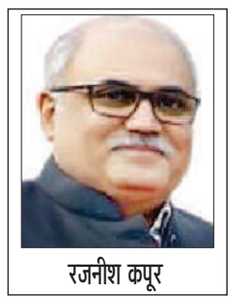

रजनीश कपूर

आज का युग तकनीकी नवाचारों का युग है, और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इस परिवर्तन का केंद्र बिंदु बन चुकी है। स्वास्थ्य सेवा से लेकर वित्त, शिक्षा, परिवहन और मनोरंजन तक एआई ने हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ी है। लेकिन इस तकनीकी क्रांति के साथ एक गंभीर चुनौती भी उभर कर सामने आई है, रोजगार का नुकसान। जैसे-जैसे मशीनें और एल्गोरिदम मानव द्वारा किए जाने वाले कार्यों को अपने कब्जे में ले रहे हैं, लाखों कर्मचारी खुद को बेरोजगार और नई आर्थिक परिस्थितियों में अनुकूलन के लिए संघर्ष करते हुए पा रहे हैं। फिर भी, यह चुनौती एक अनूठा अवसर भी प्रदान करती है।

एआई ने उद्योगों को पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी और सटीकता के साथ कार्य करने में सक्षम बनाया है। स्वास्थ्य सेवा में एआई-संचालित उपकरण रोगों का शीघ्र निदान कर रहे हैं, और व्यक्तिगत उपचार योजनाएं बना रहे हैं। विनिर्माण क्षेत्र में स्वचालित मशीनें और रोबोट उत्पादन प्रक्रियाओं को तेज और लागत प्रभावी बना रहे हैं। वित्तीय क्षेत्र में एआई धोखाधड़ी का पता लगाने और निवेश रणनीतियों को अनुकूलित करने में मदद कर रहा है। यहां तक कि रचनात्मक क्षेत्रों जैसे लेखन, कला और संगीत में भी एआई नये रास्ते खोल रहा है। ये प्रगतियां न केवल उत्पादकता बढ़ा रही हैं, बल्कि उपभोक्ताओं को बेहतर सेवाएं और अनुभव भी प्रदान कर रही हैं।

हालांकि, इन फायदों के साथ एक कड़वी सच्चाई भी जुड़ी है। एआई और स्वचालन ने कई पारंपरिक नौकरियों को अप्रचलित कर दिया है। डेटा प्रविष्टि, विनिर्माण, ग्राहक सेवा और यहां तक कि कुछ विश्लेषणात्मक कार्य अब मशीनों द्वारा किए जा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) के अनुसार, अगले कुछ दशकों में विश्व स्तर पर लाखों नौकरियां स्वचालन के कारण खत्म हो सकती हैं। भारत जैसे देश, जहां बड़ी आबादी कार्यबल में शामिल है, में यह चुनौती और भी गंभीर है। निम्न-कौशल और मध्यम-कौशल वाली नौकरियां सबसे अधिक जोखिम में हैं। ड्राइवर, फैक्ट्री वर्कर और कॉल सेंटर कर्मचारी जैसे पेशे तेजी से मशीनों द्वारा प्रतिस्थापित किए जा रहे हैं। एआई के कारण होने वाला रोजगार नुकसान आर्थिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक-मनोवैज्ञानिक चुनौती भी है। बेरोजगारी न केवल व्यक्तियों की आय को प्रभावित करती है, बल्कि उनके आत्मसम्मान और सामाजिक स्थिति को भी ठेस पहुंचाती है। भारत जैसे विकासशील देश, जहां पहले से ही बेरोजगारी और अंडरएंप्लॉयमेंट की समस्या है, में एआई-प्रेरित नौकरी हानि को और जटिल बना सकती है। इसके अलावाङ्क नई तकनीकों को अपनाने की गति और कौशल की कमी के बीच का अंतर बढ़ता जा रहा है। कई श्रमिकों के पास नई तकनीक सीखने के लिए आवश्यक संसाधन या अवसर नहीं हैं। परिणामस्वरूप वे आर्थिक मुख्यधारा से बाहर हो रहे हैं। इस संकट का सामना करने के लिए पुनः कौशल विकास और कौशल उन्नयन सबसे प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर सामने आए हैं। पुनः कौशल विकास का अर्थ है श्रमिकों को पूरी तरह से नये कौशल सिखाना जो उन्हें बदलते नौकरी बाजार में प्रासंगिक बनाए रखे। कौशल उन्नयन मौजूदा कौशलों को और उन्नत करने पर केंद्रित है ताकि श्रमिक अपनी वर्तमान भूमिकाओं में अधिक प्रभावी हो सकें। एक फैक्ट्री कर्मचारी को रोबोटिक्स या डेटा विश्लेषण में प्रशिक्षित किया जा सकता है, जबकि एक ग्राहक सेवा प्रतिनिधि को एआई-संचालित चैटबॉट्स के प्रबंधन में प्रशिक्षण दिया जा सकता है। इसके लिए सरकार को नीतियां बनानी होंगी जो प्रशिक्षण कार्यक्रमों को सुलभ और सस्ता बनाएं।

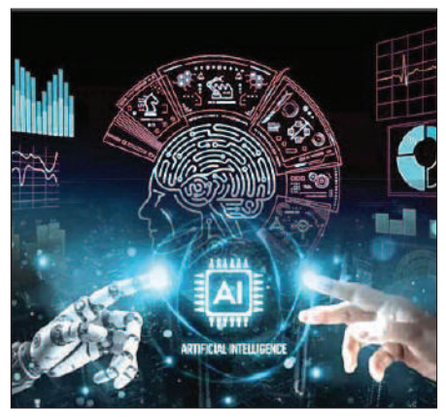

भारत में, 'स्किल इंडिया' जैसे कार्यक्रम पहले से ही इस दिशा में काम कर रहे हैं, लेकिन इनकी पहुंच और प्रभाव को और बढ़ाने की आवश्यकता है। विशेष रूप से, ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए जहां अधिकांश निम्न-कौशल श्रमिक रहते हैं। शैक्षणिक संस्थानों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। स्कूलों और कॉलेजों को अपने पाठ्यक्रमों को अद्यतन करना होगा ताकि वे डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा और अन्य उभरते क्षेत्रों पर ध्यान दें।

रोजगार का नुकसान ऐसी चुनौती है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, पुनः कौशल विकास और कौशल उन्नयन के माध्यम से हम संकट को अवसर में बदल सकते हैं। भारत, जिसके पास दुनिया का सबसे अधिक युवा कार्यबल है, इस बदलाव का नेतृत्व कर सकता है बशर्ते सरकार, शैक्षणिक संस्थान और निजी क्षेत्र इसके लिए संयुक्त प्रयास करें। भारत ऐसी कार्यबल तैयार कर सकता है, जो न केवल एआई-प्रधान दुनिया में प्रासंगिक रहे, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी अग्रणी भूमिका निभाए। समय की मांग है कि हम चुनौती को स्वीकार करें और समावेशी, कौशल-प्रधान भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं।

(लेख में विचार निजी हैं)

चिंतन-मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्त्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

विश्व पर्यटकों के लिये अनंत संभावनाओं का देश है भारत

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्त्रोतों में 'पर्यटन और हरित निवेश' या 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहाँ हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है।

विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है।

भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है।

राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। 'इनक्रेडिबल इंडिया' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरी किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा', 'देखो अपना देश' अभियान और 'प्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किट' जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और 'भारतमाला' जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है, ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है।

भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। धार्मिक पर्यटन आर्थिक उन्नति और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए ऐसी सभी जगहों को बेहतरीन बुनियादी सुविधाओं, सड़क और एयर कनेक्टिविटी, आने वालों की सुरक्षा और सेवा दी जा रही है।

भारत असंख्य पर्यटन अनुभवों और मोहक स्थलों का देश है। चाहे भव्य स्मारक हों, प्राचीन मंदिर या मकबरे हों, नदी-झरने, प्राकृतिक मनोरम स्थल हो, इसके चमकीले रंगों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रौद्योगिकी से चलने वाले इसके वर्तमान से अटूट संबंध है। केरल, शिमला, गोवा, आगरा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मथुरा, काशी जैसी जगहें तो अपने विदेशी पर्यटकों के लिए हमेशा चर्चा में रहती हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या एवं काशी की कायाकल्प करके दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित किया है। भारत में अपने लोगों के साथ लाखों विदेशी लोग प्रतिवर्ष भारत घूमने आते हैं। भारत में पर्यटन की उपयुक्त क्षमता है। यहां सभी प्रकार के पर्यटकों को चाहे वे साहसिक यात्रा पर हों, सांस्कृतिक यात्रा पर या वह तीर्थयात्रा करने आए हों या खूबसूरत समुद्री-तटों की यात्रा पर निकले हों, सबके लिए खूबसूरत जगहें हैं। दिल्ली, मुंबई, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दक्षिण भारत के अनेक राज्यों में तो लोगों को घूमते-घूमते महीना बीत जाते हैं।

भारत अपनी समृद्ध सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक धरोहर के कारण दुनिया के प्रमुख पर्यटन देशों में शुमार होता है। यहां के हर राज्य की अलौकिक और विलक्षण विशिष्टताएं हैं जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। उन पर्यटकों के लिए भारत-यात्रा का विशेष आकर्षण है जो शांत, जादुई, सौंदर्य और रोमांच की तलाश में रहते हैं। इन पर्यटकों के लिये भारत में विपुल यात्रा साहित्य अपनी एक विशेष पहचान और उपयोगिता को लेकर प्रस्तुत होता रहा है। पुखराज सेठिया की पुस्तक 'आओ घूमे अपना देश' एक सार्थक एवं उपयोगी पुस्तक है। विश्व पर्यटन दिवस हमें यह संदेश देता है कि भारत के पास विश्व को दिखाने के लिए अनंत वैभव और विविधता है। यदि हम पर्यावरण संरक्षण, आधुनिक सुविधाओं और वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए पर्यटन का विकास करें तो आने वाले समय में भारत न केवल एक पर्यटन शक्ति बनेगा बल्कि अपनी आध्यात्मिक विरासत और सांस्कृतिक धरोहर से विश्व का नेतृत्व भी करेगा।

शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज में छात्रा को बनाया एक दिन के लिए अस्थाई रूप से प्रधानाचार्या

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान सेवा पखवाड़े एवं मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत शर्मा देवी कन्या इंटर कॉलेज में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्राओं को स्वच्छता अभियान से जोड़ने के लिए उनके बीच एक स्वच्छता अभियान चलाया। जिसमें प्रधानाचार्या चारु शर्मा ने अन्य शिक्षिकाओं एवं छात्राओं के साथ विद्यालय परिसर में साफ सफाई की। उन्होंने छात्राओं को स्वच्छता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीमारियों से बचने के लिए सभी को साफ सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। छात्राओं को हाथों की साफ सफाई के बारे में भी बताया गया व उनको हाथ धोने का सही तरीका भी बताए। सभी ने अपने घर व आस पास स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। इसके बाद प्रदेश में शासन प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर चलाए जा रहे मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत कक्षा 12 की छात्रा नबीला को अस्थाई रूप से प्रधानाचार्या पद पर स्थापित किया गया। छात्राओं की सुरक्षा, स्वाबलंबन एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए जा रहे प्रभावी कदम के रूप में नबीला को वरिष्ठ पद आपर बिठाकर प्रोत्साहित किया गया। प्रधानाचार्या पद पर बैठने के बाद छात्रा बहुत उत्साहित रही। छात्रा ने विद्यालय के प्रशासनिक कार्य के विषय में मुख्य प्रधानाचार्या चारु शर्मा से जानकारी प्राप्त की एवं कार्यालय डाकपत्र भी प्राप्त किए। इस दौरान मुख्य प्रधानाचार्या चारु शर्मा एवं पुष्पा वर्मा ने छात्रा को बुके देकर उसका स्वागत व उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में छात्राओं को मिशन शक्ति एवं प्रदेश सरकार की महिला सशक्तिकरण संबंधी योजनाओं की जानकारी देने के लिए महिला कल्याण विभाग ,न्याय विभाग व पुलिस विभाग द्वारा एक संयुक्त गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें वन स्टॉप सेंटर से मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता करुणा, न्यायिक सलाहकार सतेंद्र कुमार एवं एस.एच.ओ मीनाक्षी गुप्ता और एस.आई आशा तोमर एवं जेंडर विशेषज्ञ ललिता रानी द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर बालिकाओं की सुरक्षा,सम्मान व सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। अंत में चारु शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त किया एवं छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में पहले नारी सम्मान की जो परंपरा विभिन्न कारणों से खो गई थी। वह दोबारा जीवित करने की दिशा में मिशन शक्ति योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। इन सभी कार्यक्रमों में पुष्पा वर्मा,ममता अग्रवाल, जकिया खातून, श्वेता, शालिनी,संगीता, शकेबा, अर्शिया, जया,मीना आदि शिक्षिकाओं ने पूर्ण सहयोग किया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत एक दिन के लिए वंशिका बनी जिला विद्यालय निरीक्षक

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में संचालित समस्त राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं वित्तविहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों जनपद अमरोहा में मिशन शक्ति एवम सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान हेतु कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। जिसमे, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, नारी सुरक्षा नारी सम्मान, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, महिला हेल्पलाइन 181, 112 तथा अधिनियम यथा- दहेज प्रतिषेध अधिनियम, बाल विवाह घरेलू हिंसा अधिनियम आदि के बारे में प्रचार प्रसार करते हुए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसका उद्देश्य बालिकाओं को स्वावलंबी एवं आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत राजकीय बालिका इंटर कॉलेज अमरोहा की छात्रा वंशिका को जिला विद्यालय निरीक्षक पद का प्रभार सौपा गया। वंशिका ने जिला विद्यालय निरीक्षक की कुर्सी पर बैठकर कार्यालय का कामकाज सीखा एवं निर्देश दिए जिससे वंशिका में आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबन का भाव जागृत हुआ।

मिशन शक्ति के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा निकली गई जागरूकता रैली

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकासखंड गंगेश्वरी में पोषण माह के अन्तर्गत आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का पोषण पंचायत का आयोजन किया गया। साथ ही पोषण एवं मिशन शक्ति के अंतर्गत एक रैली का आयोजन भी विकासखंड के अंतर्गत किया गया। मिशन शक्ति के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को अपने परिक्षेत्र में आने वाली समस्त महिलाओं को महिला पुलिस हेल्पलाइन 1090 पुलिस हेल्पलाइन112, कन्या सुमंगला योजना, प्रधानमंत्री मातृ बंदन योजना का लाभ दिए जाने के संबंध में लाभार्थियों को जागरूक करने के संबंध में निर्देशित किया गया। बैठक का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में किया गया। इस मौके पर बाल विकास परियोजना अधिकारी सोनवीर सिंह एवं समस्त मुख्य सेविकाएं मौजूद रहीं।

मिशन शक्ति चरण-5 के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में दिया गया आत्मरक्षा प्रशिक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- मिशन शक्ति के पांचवें चरण के अंतर्गत आज जनपद अमरोहा के सभी 08 कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में ख्याति प्राप्त महिलाओं द्वारा विद्यालयों का भ्रमण किया गया। इस दौरान उन्होंने छात्राओं से संवाद किया। विद्यालय में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के सत्र संचालन तथा सेल्फ डिफेंस क्लब के गठन के बारे जानकारी दी गयी। समस्त कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कराया गया तथा सेल्फ डिफेंस क्लब का गठन भी किया गया। ब्लॉक प्रमुख धनौरा आशा चंद्रा ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय धनौरा का दौरा किया। उन्होंने छात्राओं से चर्चा की और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पुलिस क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गजरौला में छात्राओं से संवाद किया और उन्हें उनके कानूनी अधिकारों और जरूरत पड़ने पर पुलिस से सहायता लेने के तरीकों के बारे में जानकारी दी। महिला थाना प्रभारी मीनाक्षी गुप्ता ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय नगर अमरोहा एवं ग्रामीण में भ्रमण कर छात्राओं को उनकी सुरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूक किया। महिला समूह की अध्यक्ष योगेश ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय गंगेश्वरी में छात्राओं से संवाद किया और उनको सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया। सभासद वार्ड नंबर 10, मंसूरपुर उझारी सलमा ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय हसनपुर में छात्राओं के साथ संवाद किया और उन्हें आत्मरक्षा और आत्मविश्वास के प्रति जागरूक किया।

भाजपाइयों ने मनाई पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

नौगांव सादात/अमरोहा (सब का सपना):- नगर पंचायत क्षेत्र की बूथ संख्या 241 मोहल्ला अलीनगर में भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय महासंपर्क अभियान विभाग के जिला संयोजक व पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी के कैंप कार्यालय पर भाजपा कार्यकताओं ने एकत्रित होकर पंडित दीनदयाल जी के जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्या अर्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। पुष्पांजलि अर्पित करते हुए सभी कार्यकताओं ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के बताए गए रास्ते एवं उनके सपनों को साकार करने का अनुसरण किया। इसी क्रम में पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि अंतिम पायदान अंतोदय पर खड़े व्यक्ति को उसको उसका हक मिलना चाहिए। उनके इस सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की केंद्र की सरकार व उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को उसको उसका हक दिलाने का कार्य कर रही है और पंडित दीनदयाल जी के सपने को साकार कर रही है। आगे सैनी ने बताया कि पंडित दीनदयाल प्रखर राष्ट्रभक्त कुशल वक्ता थे हम सभी पुनः उनको कोटि-कोटि प्रणाम करते हैं । इस अवसर पर पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी, बूथ अध्यक्ष मयंक कुमार, वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी, मोनू सैनी, सुनील कुमार सैनी,पंकज कुमार वाल्मीकि, संजय कुमार, राम किशोर जाटव, अंकुश कुमार जाटव, ऋषभ कुमार आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कुन्दन मॉडल इंटर कॉलेज की एक दिन की प्रधानाचार्य बनी कोमल

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत कुन्दन मॉडल इंटर कॉलेज में कक्षा 12 की छात्रा कोमल एक दिन के लिए प्रधानाचार्य बनाई गई है।प्रधानाचार्य सी पी सिंह ने उनका बुके देकर स्वागत किया। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार व्यायाम शिक्षक को 50 छात्रों के साथ मिनी स्टेडियम अमरोहा में भेजा। उनके द्वारा कक्षाओं का निरीक्षण किया गया तथा जरूरी निर्देश दिए गए साथ ही कक्षा उपस्थिति रजिस्टर तथा अध्यापक उपस्थिति रजिस्टर को चेक किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सी पी सिंह ,संतराम सिंह, दिग्विजय सिंह, महेश कुमार शर्मा, आनन्द पाल,पूजा,नीतिका, विनयपाठक आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए किया गया जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में सेवा पखवाड़ा अभियान एवं मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के आदेशों के अनुपालन में तथा मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी, राकेश सिंह के दिशा निदेर्शानुसार शर्मा गर्ल्स इंटर कॉलेज अमरोहा मे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सत्येंद्र चौहान अधिवक्ता द्वारा बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा गया कि स्त्रङ्गरँ ू३ का मतलब है की यौन उत्पीड़न(रोकथाम निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 यह अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने, निषेध करने और उसके निवारण के लिए बनाया गया है, ताकि महिलाओं को सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिल सके। कोई भी कर्मचारी महिला जो अपना कार्य घर पर रहकर करती है ऑनलाइन वह भी इस अधिनियम ऑनलाइन संचार, जैसे अश्लील संदेश, वीडियो कॉल, या अनुचित टिप्पणियों को भी यौन उत्पीड़न के रूप में मानता है। वह भी इस कानून के अंतर्गत अपनी शिकायत दर्ज कर सकती हैं। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि यदि कोई संस्थान चाहे सरकारी हो या गैर सरकारी इस अधिनियम का पालन नहीं करता है, तो उसे 50,000 तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इस अवसर पर एस.एच.ओ मीनाक्षी ,एस.ई आशा तोमर , प्रधानाचार्य चारु शर्मा हब इम्पावरमेन्ट ऑफ वूमेन (HEW) के कार्मिक कृ0 ललिता रानी, जेण्डर विशेषज्ञ, एवं सखी वन स्टॉप सेन्टर की करूणा निधि, मनोवैज्ञानिक एवं नरेन्द्र पाल आदि उपस्थित रहे।

संचारी रोगों से बचाव एवं जागरूकता के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

संचारी रोगों से बचाव जरूरी:- अनिल कुमार

छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को किया जाएं प्रेरित

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- ब्लाक सभागार में संचारी रोगों से बचाव एवं जागरूकता के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ब्लॉक के सभी प्रधानाध्यापकों एवं इंचार्ज अध्यापकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने की एवं संचालन ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने किया। एआरओ स्वास्थ्य विभाग डॉ.सुनील कुमार ने प्रशिक्षण में संचारी रोगों की जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. सुनील कुमार ने अध्यापकों को अवगत कराया कि वर्तमान समय में संचारी रोगों ने अपने पैर पसार रखे हैं।स्कूली बच्चों के साथ साथ हमें संचारी रोगों से फैलने वाली बीमारियों के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। कहा कि स्वच्छ कपड़े पहने,ताजा खाना खाएं एवं पानी खूब मात्रा में पिएं। खांसी, जुकाम, बुखार आदि बीमारी होने की स्थिति में नजदीकी चिकित्सक से सलाह जरूर लें।साथ ही पूरी आस्तीन के कपड़े पहने और रात को सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करें। अपने आसपास गंदा पानी इकट्ठा न होने दें। इसके अलावा कहा कि वर्तमान समय में सांप काटने की घटनाएं बहुत अधिक संख्या में सामने आ रही है। इसमें घबराने की आवश्यकता नहीं है।ऐसे रोगियों को तत्काल सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर लेकर आएं। खंड शिक्षा अधिकारी गंगेश्वरी अनिल कुमार ने सभी अध्यापकों से संचारी रोगों से संबंधित जानकारियां विद्यालय में अध्ययनरत छात्र छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को प्रदान करने का आह्वान किया। कहा कि विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन कर ग्राम वासियों को संचारी रोगों से बचाव के लिए शत प्रतिशत रूप से प्रेरित किया जाए। संचारी रोगों का यह अभियान पूरे अक्टूबर माह चलेगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह, एआरपी महीपाल सिंह, संजीव मौर्य, पूर्व एआरपी विकास राहुल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवेन्द्र शर्मा,संयुक्त मंत्री महताबुद्दीन, संकुल शिक्षक हरिओम सिंह,जयवीर सिंह,संजय सिंह, फैजान हस्मत,संदीप कुमार,नवेद मंसूरी,करणवीर सिंह, राकेश राणा,कमल दीपेन्द्र सिंह,,लोकेश कुमार, देवराज सिंह,सरफराज अली,डा.राजेन्द्र प्रसाद, रोहित कुमार, पुष्पेन्द्र सिंह,अमित आर्य, सूर्यकांत,सतीश कुमार,अमित कुमार शर्मा,धर्मेंद्र शर्मा,शायरा बी,निगहत, अनीता, चन्द्रमुखी आदि मौजूद रहे।

वोट बनवाने के लिए बी एल ओ की राह देखता चंद्रपाल सैनी का परिवार

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र में नए वोट बनवाने का कार्य चल रहा है। लेकिन कुछ बी एल ओ अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा रहे हैं। हसनपुर क्षेत्र के ग्राम भदौरा में चंद्रपाल सैनी का कहना है कि लगभग 15 दिन पूर्व घर पर बी एल ओ आए थे। उन्होंने बताया था कि जिनकी शादियां नई हुई हैं और जिनकी उम्र 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष हो जाएगी उनका वोट बनवाने का कार्य चल रहा है। आप सभी अपने आधार कार्ड की फोटो स्टेट करा लें। उनके कथना नुसार फोटो स्टेट तो करा ली लेकिन उन्हें लेने के लिए कोई नहीं आया काफी तलाश किया लेकिन पता नहीं चल पा रहा है। सुना गया है कि वोट बनवाने की अंतिम तिथि भी पास है। ऐसे में चंद्रपाल सैनी की परेशानी बढ़ रही है। इनके अलावा गांव में और भी वोट बनवाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। सबकी मांग है कि कथित बी एल ओ को सक्रिय कर वंचित लोगो के वोट शीघ्र बनवाये जाएं।

ढवारसी में धनुष यज्ञ, रावण-वाणासुर और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का मंचन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- तहसील क्षेत्र के गांव ढवारसी में चल रही रामलीला में धनुष यज्ञ की लीला का मंचन किया गया। जिसे देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। साथ ही रावण-वाणासुर संवाद और लक्ष्मण-परशुराम संवाद का भी मंचन किया गया। जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंचन की शुरूआत राजा जनक द्वारा आयोजित सीता स्वयंवर से हुई। जिसकी शर्त थी कि जो भी राजा भगवान शिव के पिनाक धनुष को उठाकर उस पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी के साथ सीता का विवाह होगा। देश-विदेश के बड़े-बड़े राजा और शूरवीर धनुष को उठाने का प्रयास करते हैं, लेकिन असफल रहते हैं। सभी के पराजय से राजा जनक अत्यंत दुखी होते हैं और कहते हैं, क्या पृथ्वी वीरों से विहीन हो गई है? जनक के इन वचनों को सुनकर लक्ष्मण क्रोधित हो जाते हैं, लेकिन गुरु विश्वामित्र के आदेश पर भगवान श्री राम मंच पर आते हैं और धनुष को प्रणाम कर पलक झपकते ही उसे तोड़ देते हैं। धनुष के टूटने के साथ ही मैदान जय श्रीराम के नारों और तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। धनुष यज्ञ के बाद का मंचन और भी रोमांचक रहा। कलाकारों ने रावण और वाणासुर के बीच अहंकार और शक्ति से भरे संवाद का मंचन किया। टूटे हुए शिव धनुष को देखकर भगवान परशुराम अत्यंत क्रोधित होकर वहां पधारते हैं। उनका क्रोध देखकर सभी भयभीत हो जाते हैं। मंच पर परशुराम और लक्ष्मण के बीच हुआ संवाद आकर्षण का केंद्र रहा। लक्ष्मण के व्यंग्यपूर्ण वचनों से परशुराम का क्रोध और भी बढ़ जाता है। अंत में भगवान श्री राम के शांत स्वभाव और विनम्रता भरे वचनों से परशुराम का क्रोध शांत होता है। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अंकुर त्यागी, संरक्षक निशापति शर्मा, अजय गोयल, नरेश ठाकुर, नवीन चतुर्वेदी, राजेश शर्मा, राजू त्यागी, अंकित सागर, इरकान अली, शफीक अहमद, नितिन कुमार, नेपाल सिंह, गुड्डू सैनी, प्रमोद सागर आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जनपदवासियों से की विजन डॉक्यूमेंट 2047 को लेकर की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- जिले जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने समस्त जनपदवासियों से अपील की है कि विजन डॉक्यूमेंट 2047 का रोडमैप बनाने के लिए सभी भागीदार बने। उन्होंने कहा कि आपके सुझावों से जनपद को सपनो की उड़ान मिलेगी। क्यू आर कोड स्कैन कर सुझाव दे सकेंगे, इससे सम्मान पत्र मिलेगा, तथा नीति निमार्ता की भूमिका निभा सकेंगे। निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि विजन डॉक्यूमेंट्री 2047 के लिए इसमें जनसहभागिता के तहत सभी को भागीदार बनाते हुए सुझाव आमंत्रित किए गए है। यह सुझाव देश एवं प्रदेश के साथ जनपद को विकसित करने तथा विजन डॉक्यूमेंट 2047 बनाने में रोडमैप तैयार करेंगे। इन सुझावों से भारत और उत्तर प्रदेश विकसित होगा और सर्वोच्चता के शिखर पर पहुंचेगा। उन्होने बताया है कि समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश /2047 हेतु विकसित उत्तर प्रदेश के लिये क्यूआर कोड स्कैन करें पोर्टल https://samarthuttarpradesh.up.gov.in ओपेन कर पोर्टल पर दिये गये सुझाव फार्म के बटन पर जाये। बटन पर क्लिक कर मोबाइल नम्बर दर्ज करें, मोबाइल पर ओटीपी आऐगा, उसे पोर्टल पर भरें, एक फार्म खुल जायेगा जिसे भरना होगा, अपने सुझाव लिखकर या बोलकर दर्ज करें, सम्पूर्ण जानकारी भरने के बाद फार्म सबमिट करें। दिये गये सुझाव से सुझाव की समीक्षा कर नीतियों का निर्माण होगा, विकसित उत्तर प्रदेश 2047 का रोडमैप तैयार होगा, मूल्यवान सुझाव देने वाले सम्मानित किये जायेगें, हर नागरिक को पोर्टल पर सुझाव देने का अधिकार है, पोर्टल पर सुझाव देना आसान एवं पूर्णतः निःशुल्क है।

सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत सीएचसी में शिविर का फीता काटकर किया गया उद्घाटन

नौगांवा सादात/अमरोहा (सब का सपना):- 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर चलने वाले सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के अंतर्गत नौगांवा सादात सीएचसी में मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंडल अध्यक्ष रामनिवास गोला ने स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उद्घाटन के तत्पश्चात सीएचसी में लगाए गए भिन्न-भिन्न बीमारियों के शिविर का निरीक्षण किया एवं सीएचसी परिसर में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर भाजपा पूर्व जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह सैनी, वरिष्ठ भाजपा नेता इकराम सैफी ,प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरिफ शमी, डॉक्टर प्रिंस कुमार ,डॉ दिव्या जैन ,डॉक्टर स्मृति गुप्ता ,डॉ गौरव, सनी,फार्मासिस्ट मजरूद्दीन, सौरभ एवं समस्त सीएचसी स्टाफ मौजूद रहा।

शिक्षको की लम्बित समस्याओ को लेकर वित्त एवं लेखाधिकारी को दिया ज्ञापन

अमरोहा (सब का सपना):- शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को लेकर जिला अध्यक्ष करतार सिंह के नेतृत्व में वित्त एवं लेखाधिकारी को ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में शिक्षकों की विभिन्न समस्याएं जो कई माह से कार्यालय में लंबित हैं उसके बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। जिसमें मुख्यतः लम्बित ऐरियर भुगतान किन्ही कारण से स्कूलों की हाजिरी लाँक ना होने के कारण समस्त स्टाफ का वेतन . अवरुद्ध के भुगतान आदि विभिन्न समस्याओं को लेकर वित्त एवं लेखाधिकारी ने आश्वासन दिया कि एक सप्ताह में सभी के कार्य पूर्ण करा दिए जाएंगे। इस अवसर पर विनोद कुमार गौतम सुरेंद्र व्यास जगबीर सिंह मनोज कुमार सतवीर सिंह रुपेन्द्र सिंह कावेन्द्र सिंह प्रदीप कुमार अनिल कुमार देवकान्त भरत भूषण पंकज सिंह सुदेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

मलेरिया नियंत्रण के लिए जुखेरा और पुसावली में सघन अभियान

जुनाबई/सम्भल (सब का सपना):- मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सम्भल के निर्देश पर मलेरिया विभाग ने ब्लॉक जुनावई के ग्राम जुखेरा और पुसावली में मलेरिया नियंत्रण के लिए व्यापक अभियान चलाया। मलेरिया रोगियों के घरों और आसपास के क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन, लावीसाईडल स्प्रे, और स्पेस स्प्रे का कार्य किया गया। मलेरिया विभाग ने बताया कि सोर्स रिडक्शन मच्छरों के प्रजनन स्थलों को नष्ट कर मलेरिया के खतरे को कम करता है। इसमें स्थिर पानी के स्रोतों को साफ करना, लार्वा नष्ट करने के लिए कीटनाशकों का उपयोग, और मच्छरदानी व कीटनाशक छिड़काव शामिल है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को साफ-सफाई और मलेरिया नियंत्रण के प्रति जागरूक किया, सामुदायिक सहयोग को बढ़ावा देते हुए मच्छरों की संख्या और मलेरिया संक्रमण को कम करने का आह्वान किया।

तहसील सम्भल में नवनिर्मित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय का लोकार्पण

सम्भल(सब का सपना):- तहसील सम्भल परिसर में नवनिर्मित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय का लोकार्पण जिलाधिकारी राजेन्द्र पैंसिया एवं पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी सम्भल प्रदीप वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) सम्भल कुलदीप सिंह, क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नवनिर्मित कार्यालय के उद्घाटन से क्षेत्र में प्रशासनिक कार्यों में और अधिक सुगमता आने की उम्मीद है। समारोह में उपस्थित अधिकारियों ने इस नई सुविधा के महत्व पर प्रकाश डाला और इसे जनता की बेहतर सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मै0 द ताज होटल किया गया का निरीक्षण

नमूने संग्रहित कर जॉच के लिए भेजे गए प्रयोगशाला

बहजोई/संभल (सब का सपना):- नवरात्रि एवं दशहरा पर्व के दृष्टिगत खाद्य / पेय पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी कार्यवाही हेतु आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0 लखनऊ के आदेश एवं जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार खाद्य सुरक्षा विभाग के प्रवर्तन दल द्वारा जनपद के खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को विभागीय टीम द्वारा चन्दौसी रोड, बहजोई स्थित मै० द ताज होटल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर खाद्य पदार्थ अस्वच्छकर एवं अव्यस्थित अवस्था में रखे पाये गये, प्रतिष्ठान में साफ-सफाई व्यवस्था सन्तोषजनक नहीं पायी गयी, कर्मचारियों में व्यक्तिगत स्वच्छता का अभाव, खाद्य लाइसेंस की शर्तों एवं अनुसूची - 4 का उल्लंघन पाया गया। निरीक्षण के दौरान मिलावट का सन्देह होने पर खाद्य पदार्थ चिकन ग्रेवी एवं आटा के नमूने संग्रहित कर जॉच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किये गये। साथ ही जनहित में लोकस्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 में दिये गये प्राविधानों के अन्तर्गत अग्रिम आदेशों तक उक्त प्रतिष्ठान पर खाद्य कारोबार का संचालन बन्द कराया गया।

शिक्षिका पर तेजाब हमले का मुख्य अभियुक्त और साजिशकर्ता गिरफ्तार

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में एक सनसनीखेज घटना में 22 वर्षीय शिक्षिका भावना, पुत्री वासुदेव, निवासी शरीफपुर, थाना नखासा, पर अज्ञात स्कूटी सवार ने तालाब के पास ज्वलनशील पदार्थ (सल्फ्यूरिक एसिड) फेंककर हमला किया। भावना बिहारीलाल इंटर कॉलेज, देहपा से अपने घर लौट रही थीं। हमले के बाद नखासा पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पीड़िता को संयुक्त जिला चिकित्सालय, सम्भल में भर्ती कराया था। जिसमें पुलिस अधीक्षक सम्भल, कृष्ण कुमार विश्नोई, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कुलदीप सिंह, और क्षेत्राधिकारी असमोली, कुलदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पांच पुलिस टीमों और सर्विलांस यूनिट ने मामले की जांच शुरू की। करीब 75 स्थानों की सीसीटीवी फुटेज और सोशल मीडिया खातों की जांच के बाद मुख्य अभियुक्त नीशू, पुत्र संतोष कुमार, निवासी तिगरी, थाना गजरौला, जिला अमरोहा को 23 सितंबर को कल्याणपुर बाईपास के पास गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारी के दौरान नीशू ने पुलिस पर अवैध तमंचे से दो राउंड फायर किए, जिसके जवाब में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे नीशू के दोनों पैरों में चोट आई। उसके कब्जे से एक तमंचा, दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, और स्कूटी बरामद हुई। घायल नीशू को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ में बताया नीशू ने बताया कि उसकी मुलाकात सोशल मीडिया के जरिए जाहनवी उर्फ डॉ. अर्चना, पत्नी राजकुमार, निवासी मंगल विहार कॉलोनी, थाना मोदीनगर, गाजियाबाद से हुई थी। जाहनवी ने नीशू को उकसाकर भावना पर हमला करने के लिए कहा, ताकि भावना का अपने मंगेतर उपेंद्र (फौजी) से रिश्ता तोड़ा जा सके। नीशू, जो रसायन विज्ञान का छात्र रहा और मदर डेयरी, पिलखुआ में केमिस्ट के रूप में कार्य कर चुका था, ने सल्फ्यूरिक एसिड का उपयोग किया। बाद में पता चला कि जाहनवी और डॉ. अर्चना एक ही हैं, जिन्होंने नीशू को अपने प्रेम जाल में फंसाया। साजिशकर्ता जाहनवी की गिरफ्तारी नीशू के बयान और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने 26 सितंबर को जाहनवी उर्फ डॉ. अर्चना को गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ भी वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। मामले में आगे की जांच और कानूनी प्रक्रिया चल रही है। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है, और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना हो रही है।

अमरोहा कृषक उत्पादक विकास प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की वैन को डीएम ने दिखाई हरी झंडी

अमरोहा (सब का सपना):- भारत सरकार द्वारा प्रायोजित अमरोहा कृषक उत्पादक विकास प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की पहल पर जनपद के किसानो द्वारा, स्वयं सहायता समूह एवं कृषक उत्पादक संगठन द्वारा उत्पादित वस्तुओं को जनपद के अलग-अलग स्थान पर विपणन हेतु विक्रय एवं प्रचार वाहन का जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा हरी झंडी दिखाकर उद्घाटन किया गया। इस वैन द्वारा जनपद में मिलेट्स के उत्पाद, प्राकृतिक खेती द्वारा उगाए गए, सरसों ,गुड, दालें ,तिलहन, सिरका ,हल्दी, सहजन ,शहद ,अचार मुरब्बा, मिलेट्स के उत्पाद, सब्जी फल इत्यादि किसानों द्वारा प्राकृतिक रूप से उत्पादित वस्तुओं का विक्रय किया जाएगा, इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व , उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी ,बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं कृषक उत्पादक संगठन के निदेशक के साथ-साथ जनपद के प्रगतिशील किसान भी उपस्थित रहे यह वैन जनपद के विभिन्न आवासीय सोसायटी के साथ-साथ शहर के विभिन्न स्थानों पर उत्पादों का विक्रय करने हेतु निश्चित तिथि पर आएगी

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के अन्तर्गत केला देवी में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

केला देवी/संभल(सब का सपना):- स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) केला देवी में एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उनके बेहतर स्वास्थ्य के माध्यम से परिवारों को सशक्त बनाना था। शिविर में सीएचसी इंचार्ज डॉ. संतोष कुमार ने उपस्थित महिलाओं और लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, स्वस्थ नारी ही सशक्त परिवार की नींव है। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, आयरन युक्त भोजन के माध्यम से एनीमिया की रोकथाम और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। शिविर में टीबी, एचआईवी, डायबिटीज और हाईपरटेंशन की निःशुल्क स्क्रीनिंग की गई। साथ ही, लाभार्थियों को मुफ्त स्वास्थ्य परामर्श और आवश्यक दवाएं प्रदान की गईं। शिविर के सफल आयोजन में चिकित्सा टीम, एएनएम, आशा कार्यकताओं और आंगनवाड़ी कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका रही। यह शिविर स्वास्थ्य जागरूकता और निःशुल्क चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से समुदाय की महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

मोतियाबिंद से होने वाले अंधत्व से मुक्त करने के अभियान का हुआ शुभारंभ

बहजोई/संभल (सब का सपना):- सी एल गुप्ता नेत्र संस्थान की ओर से आज ग्रामीण नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन जिला संभल के बबराला में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य संभल को मोतियाबिंद से होने वाले अंधत्व को मुक्त करना है इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी डॉक्टर राजेंद्र पैंसिया ने किया एवं निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का भी फीता काटकर शुभारंभ किया जिलाधिकारी ने कार्यक्रम में पधारे सभी आगंतुकों को संबोधित करते हुए संभल शहर को एक उत्कृष्ट एवं जागरूक जिला बनाने की अपील की। उन्होंने मोतियाबिंद से होने वाले अंधत्व को दूर करने के लिए चलाए जा रहे इस अभियान के लिए सी एल गुप्ता नेत्र संस्थान साइटसेवर इंडिया एवं चोलामंडलम फाइनेंस लिमिटेड का धन्यवाद दिया और कहा कि यह बहुत गौरव की बात है कि संभल से इस अभियान का शुभारंभ किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने प्राचीन वेदों पर भी प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि वेद जीवन के हर पक्ष को छूते हैं। प्रत्येक नागरिक हमारे लिए देवतुल्य है। जिलाधिकारी ने समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश@2047 अभियान के विषय में भी बताया उन्होंने कहा कि विजन डॉक्यूमेंट के लिए 12 सेक्टर में से किसी भी क्षेत्र में सभी लोग अपने सुझाव दें। एक सिम कार्ड से तीन सुझाव दिये जा सकते हैं। उन्होंने मिशन शक्ति 5.0 अभियान तथा सम्भल कल्कि महोत्सव विकासोत्सव तथा एक पुष्प एवं एक पुस्तक अभियान एवं घर बने पुस्तकालय, प्लास्टिक मुक्तिकरण के विषय में भी बताया। कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान की वाइस चेयरपर्सन डॉक्टर आशी खुराना ने संस्थान के द्वारा प्रदान की जा रही नेत्र सुविधाओं के बारे में विस्तार से बताया उन्होंने sightsavers इंडिया के साथ मिलकर सम्भल को मोतियाबिंद से होने वाले अंधत्व से मुक्त करने की अपील की,उन्होंने बताया कि संस्थान की नेत्र जांच टीम मरीजों का चिन्हिकरण करेगी एवं उन्हें नेत्र स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी संस्थान की ट्रस्टी शिखा गुप्ता ने वसुदेव कुटुंबकम की भावना को चरितार्थ करते हुए कहा कि हमारा संस्थान हर आयु वर्ग एवं समुदाय तक पहुंचकर उत्तम गुणवत्ता के साथ उन्हें नेत्र स्वास्थ्य चिकित्सा दे रहा है,जिसके लिए हमारी आउटरीच टीम पूरी तन्मयता के साथ काम कर रही है कार्यक्रम में श्री आर एन मोहंती कंट्री हेड- साइट सेवर इंडिया ने बताया की उत्तर प्रदेश के 19 जनपदों में ऐसा कार्यक्रम चलाया जा रहा है,कार्यक्रम के अंतर्गत गरीब और असहाय और सुदूर क्षेत्रों में बसे हुए लोगों तक गुणवत्ता पूर्ण नेत्रस्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का हमारा उद्देश्य है कार्यक्रम के अंतर्गत मोतियाबिंद से होने वाले अंधत्व से ग्रसित लोगों की पहचान कर उनको प्राथमिकता के आधार पर नेत्र चिकित्सा सेवाएँ दी जाएगी। इस सेवा को प्रदान करने के लिए सी एल गुप्ता नेत्र संस्थान एवं संभल प्रशासन से सहयोग की अपेक्षा की, उन्होंने कहा कि हम अपने सुनिश्चित किए हुए मानकों के अनुसार पूरी गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए कैंप व अन्य गतिविधियों के माध्यम से दोनो आँखो में ३१३ से होने वाली अंधता बी एल बि सी की घोषणा करते हैं इस कार्यक्रम को सहयोग करने वाली संस्था चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के सीएसआर हेड नरेंद्र कुमार ने संभल निवासियों से यही अपील की कि वह अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहे और समय-समय पर अपना नेत्र परीक्षण करते रहें जिससे कि देश के में पढ़ते हुए अंधता के दर को काम किया जा सके यही हमारी सच्ची राष्ट्र सेवा होगी, उन्होंने कार्यक्रम की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहां की हमें जरूरतमंद लोगों तक पहुंचकर उनका जीवन खुशहाल बनाना है उन्होंने यह आश्वासन दिया कि चोलामंडलम एवं साइड सेवर इंडिया सी एल गुप्ता नेत्र संस्थानके साथ मिलकर इस कार्यक्रम को और भी अधिक सफल बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं साइट सेवर इंडिया से आए प्रमोद त्रिपाठी ने प्रोजेक्ट के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि बिलैटरल कैटरेक्ट बैकलॉग फ्री समाज का निर्माण तभी संभव है नेत्र चिकित्सा ऐसी पंचयतो एवं ग्रामों तक पहुंच सके जो दूरस्थ है और लोगो की पहुँच में नहीं है इसी बात को ध्यान में रखते हुए साइट सेवर इंडिया के माध्यम से यह प्रोजेक्ट के लिए संभल जिला का चयन किया गया संस्थान की प्रशासनिक अधिकारी गरिमा सिंह ने कार्यक्रम का संचालन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद संभल सीएमओ डॉक्टर तरुण पाठक ने पांच ग्राम पंचायतो को मोतियाबिंद से होने वाले अंधत्व से मुक्त होने पर ग्राम प्रधानों -रेवाड़ा से चंद्रपाल सिंह, झुकेड़ा से गुड्डी देवी, नंदपुर से अनीता यादव, लावर से सुमन, देवर कंचन से राम प्रकाश को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और कहा की अगर प्रधानों का सहयोग इसी तरह मिलता रहा तो यह कार्यक्रम अभूतपूर्व शीघ्रता से चल पाएगा। संस्थान के सचिव गुरविंदर सिंह जी ने नेत्र दाता परिवारों को माला पहनकर उनका सम्मान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोजेक्ट हेड लोकेश चौहान, आउटरीच मैनेजर सत्य प्रकाश, आउटरीच कोऑर्डिनेटर सौरभ, रवि, आयुष, शान ए आलम, जीशान एवं समस्त आउटरेज टीम का सहयोग रहा।

श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में न्याय पालिका संविधान की संरक्षक विषय पर संवाद कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का किया गया शानदार आयोजन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय संस्थान न्यायपालिका संविधान की संरक्षक विषय पर एक संवाद कार्यक्रम का शानदार आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करते हुए देश के नामचीन कानून विशेषज्ञ एवं इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायधीश जस्टिस पी0के0 गिरि ने प्रतिभाग करते हुए विधि/लॉ छात्रो को न्यायपालिका द्वारा नागरिको के मौलिक अधिकारो की रक्षा, संविधान का संरक्षण, कानून व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन एवं भयमुक्त/तानाशाही मुक्त स्थिर लोकतांत्रिक समाज के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हुए इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान के अब्दुल कलाम कांफ्रेस हॉल में न्यायपालिका संविधान की संरक्षक विषय पर आयोजित संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम का शुभारम्भ हाईकोर्ट न्यायधीश पी0के0 गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी, आई0पी0एस0 अमित कुमार आनन्द, कुलपति प्रो0 कृष्ण कान्त दवे ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि हाईकोर्ट जस्टिस श्री पी0के0 गिरि ने कहा कि फास्ट ट्रेक कोर्ट, महिला न्यायालय, बाल न्यायालय एवं अन्य विशेष न्यायालयो के संचालन से जंघन्य अपराधो में पीड़ित को त्वरित न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ी है। लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ होने के कारण न्यायपालिका सरकार के मध्य शक्ति संतुलन के साथ-2 आम आदमी के मौलिक अधिकारो का सबसे बड़ा रक्षक है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द एवं प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने न्यायमूर्ति जस्टिस पी0के0 गिरि का बुके, पटका, पगडी, अशोक स्तम्भ देकर परम्परागत तरीके से स्वागत किया।इस अवसर पर लॉ डीन डॉ0 राजवर्द्धन सिंह, ग्रुप एडवाईजर डॉ0 आर0एस0 शर्मा, डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 शिल्पा रैना, डॉ0 सुमन कुमारी, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 श्यामलाल, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, सुमन मीना, अशोक कुमार, एस0एस0 बघेल, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि लोग उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने जीएसटी के बारे में जागरूक करने के लिए निकाली रैली

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर के द्वारा भाजपा कार्यकताओं के साथ रैली निकालकर जीएसटी के बारे में आम जनमानस व व्यापारियों को अवगत कराया। रैली में हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओ ने हिस्सा लिया। रैली अमरोहा बस स्टैंड चौराहे से शुरू होकर अंबेडकर पार्क से बर्मा मार्केट, इंदिरा चौक, मेन बाजार, से होते हुए रहरा बस स्टैंड चौराहे पर संपन्न हुई रैली में कार्यकताओं के हाथों में केंद्र सरकार की जीएसटी के फायदे से संबंधित स्लोगन बोर्ड पर लिखे हुए थे। इसी बीच जिला पंचायत अध्यक्ष ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। जिससे कि लोगों के चेहरे पर और भी खुशी देखने के लिए मिली। जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर ने कहा कि केंद्र सरकार कि यह पहल बहुत ही बेहतर और सराहनीय हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर ने छोटे बड़े सभी व्यापारियों को जीएसटी के बारे में बताया और उसके लाभों से भी अवगत कराया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर के साथ हजारों भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

दो बच्चियों की हत्या करने के बाद फांसी लगाकर युवक ने दी जान, पांच माह से था बेरोजगार

नई दिल्ली। बल्लभगढ़ सेक्टर-8 के मकान नंबर 1195 में 30 साल के निखिल गोस्वामी ने अपनी डेढ़ माह और दो साल की बच्चियों की हत्या कर खुद भी फांसी लगाकर जान दे दी। निखिल और दोनों बच्चियों के शव अलग-अलग कमरे में पंखे के सहारे में फंदे से लटके मिले। शुरूआती जांच में पता चला है कि डेढ़ महीने पहले प्रसव के दौरान पत्नी पूजा की मौत से निखिल तनाव में था और बीते 4-5 दिन से खाना भी नहीं खा रहा था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। बृहस्पतिवार शाम करीब साढ़े सात बजे मकान के ग्राउंड फ्लोर पर उदयशंकर और उनकी पत्नी रहते हैं। पहली मंजिल पर इनका एक बेटा रहता है, जिसकी पत्नी की छह माह पहले ही मौत हुई है। दूसरी मंजिल पर निखिल अपने दो बच्चों के साथ रह रहा था। निखिल की शादी साल 2019 में पूजा से हुई थी। इनकी दो साल की बच्ची सिद्धि थी। डेढ़ माह पहले दूसरी बच्ची रिद्धि को जन्म देते समय पूजा की मौत हो गई। तब से वह डिप्रेशन में रहने लगा था। बीते 4-5 दिन से तो खाना भी नहीं खा रहा था। निखिल पहले ठेकेदार के अधीन निजी कंपनी में सुपरवाइजर की नौकरी करता था, जिसे उसने 4-5 महीने पहले छोड़ दिया था। तब से वह बेरोजगार था। उदयशंकर ने पुलिस को बताया कि बृहस्पतिवार दोपहर बाद कुछ काम से बाहर गए थे। शाम को लौटे तो पंखे से लटक रहे तीनों के शव देखकर चीख पड़े।

दूसरे समुदाय के लड़के ने नाबालिग की चाकू घोंपकर की हत्या, इलाके में फोर्स तैनात

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर इलाके में गुरुवार रात मामूली बात पर 14 साल के नाबालिग की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त करण के रूप में हुई है। नाबालिग की हत्या के बाद मौके पर तनाव उत्पन्न हो गया। दरअसल नाबालिग की हत्या का आरोप दूसरे समुदाय के नाबालिग लड़कों पर है। हालात को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। पुलिस ने आनन-फानन में हत्या का मामला दर्ज एक नाबालिग आरोपी को दबोच लिया। उससे पूछताछ कर मामले की छानबीन की जा रही है। खबर लिखे जाने तक सीलमपुर इलाके में तनाव का माहौल था। दोनों समुदाय के लोग आमने-सामने आकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे। जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद थे। अधिकारी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहे थे। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हत्या से दो समुदाय के झगड़े का कोई लेनादेना नहीं है। मृतक और आरोपी दोनों ही नाबालिग हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक वारदात सीलमपुर धर्मपुरा लाल बत्ती के पास शिव मंदिर के नजदीक हुई। यहां पुलिस चौकी के नजदीक एक मोटर साइकिल मैकेनिक की वर्कशॉप है। करण वहीं पर काम करता था। गुरुवार रात को उसके मालिक ने उसे 500 रुपये का नोट देकर छुट्टे पैसे लाने के लिए बोला। करण पास में चला गया। वहां किसी बात पर उसकी आरोपी से तू-तू-मैं-मैं हो गई। आरोपी उसे कंधे पर हाथ रखकर बाहर लाए। इस बीच एक आरोपी ने उसके पेट में चाकू घोंप दिया। बाद में वह फरार हो गया। फौरन नाबालिग को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की जानकारी मिलते ही मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई। उधर जानकारी मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। भीड़ पुलिस के खिलाफ नारेबाजी कर रही थी।

राजकीय इण्टर कॉलेज में 74 छात्र/छात्राओं को दिए गए छात्रवृत्ति प्रमाण-पत्र

बहजोई/संभल (सब का सपना):- उ.प्र. सरकार द्वारा संचालित राज्य पोषित पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 9-10 तथा दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 की छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत प्रथम चरण में मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण समारोह का शुभारम्भ किया जाना सुनिश्चित किया गया। जिसके क्रम में जनपद स्तर पर छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण समारोह का सजीव प्रसारण प्रातः 11:00 बजे अपने-अपने शिक्षण संस्थानों मे छात्र/छात्राओं को दिखाये जाने के निर्देश दिये गये थे। जनपद सम्भल के अन्य पिछड़ा वर्ग के पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 9-10 योजनान्तर्गत 2586 छात्र/छात्राओं को 55.58 लाख रुपए एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 योजनान्तर्गत 880 छात्र/छात्राओं को 26.88 लाख रुपए की धनराशि का अन्तरण बैंक खातों मे किया गया। इसी प्रकार जनपद सम्भल में अल्पसंख्यक वर्ग के पूर्वदशम छात्रवृत्ति कक्षा 9-10 योजनान्तर्गत 398 छात्र/छात्राओं को 11.87 लाख रुपए एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति कक्षा 11-12 योजनान्तर्गत 289 छात्र/छात्राओं को 9.11 लाख रुपए की धनराशि का अन्तरण बैंक खातों मे किया गया। दिलीप कुमार, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी/जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, द्वारा राजकीय इण्टर कॉलेज, लहरावन में प्रधानाचार्य, सहायक अध्यापक, कार्यालय के वरिष्ठ सहायक आदित्य मिश्रा, कनिष्ठ सहायक भूपेन्द्र सिंह सैनी, कम्प्यूटर ऑपरेटर साजिद अली एवं छात्र/छात्राओं के साथ आयोजित छात्रवृत्ति स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरण समारोह का सजीव प्रसारण में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के द्वारा छात्रवृत्ति वितरण के उपरान्त राजकीय इण्टर कॉलेज को शासन द्वारा वितरित की गयी 74 छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा विद्यालय के प्रधानाचार्य सी.पी. सिंह को निर्देश दिया गया कि संस्था के समस्त छात्र/छात्राओं के छात्रवृत्ति आवेदन पत्रों को अतिशीघ्र आनलाइन कराते हुए अग्रसारित करना सुनिश्चित करें, जिससे सरकार द्वारा 31 दिसम्बर को वितरित की जाने वाली द्वितीय चरण की छात्रवृत्ति से छात्र/छात्राओं को लाभान्वित किया जा सकें। सभागार में उपस्थित समस्त छात्र/छात्राओं को शिक्षा के महत्व एवं भविष्य में उसकी उपयोगिता के सम्बन्ध में अवगत कराया गया और मेहनत से पढाई कर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करने हेतु प्रेरित किया गया।

ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर हमला, गाली-गलौज कर की मारपीट, दो आरोपी गिरफ्तार; वीडियो वायरल

नई दिल्ली। दिल्ली के तिमारपुर इलाके में ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। पुलिसकर्मी के साथ मारपीट की गई। जिसका वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें दिख रहा है कि पुलिसकर्मी को भीड़ ने घेर रखा है और कुछ लोग उसके साथ मारपीट कर रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है और कुछ लोग मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। वारदात 24 सितंबर 2025 को दोपहर करीब 2:40 बजे की है पुलिस के मुताबिक, सब-इंस्पेक्टर सूरज पाल सिंह तिमारपुर ट्रैफिक सर्कल में ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान एक स्कूटी पर सवार दो लोग वहां से गुजरे और बिना किसी वजह के पुलिसकर्मी से गाली-गलौज करने लगे। जब एसआई सूरज पाल सिंह ने उनके व्यवहार पर आपत्ति जताई, तो दोनों युवक आक्रामक हो गए। तभी मौके पर मौजूद कुछ और लोग भी उनके साथ मिल गए और पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया। वहां मौजूद एक शख्स ने पीसीआर को सूचना दी। थोड़ी देर में पीसीआर वैन और बाकी ट्रैफिक पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले के आरोप में दो युवकों को पकड़ लिया, जिनके नाम अकबर हुसैन और सलमान है। हालांकि, उनके साथ मौजूद कुछ और लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

सोनम वांगचुक के समर्थन में खुलकर आए केजरीवाल, केंद्र की बीजेपी सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। लेह में बीते दिनों हुए प्रदर्शन में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की संस्था का FCRA लाइसेंस रद करने और उनकी फॉरेन फंडिंग की जांच के आदेश के बाद आप संयोजक अरविंद केजरीवाल उनके समर्थन में उतर आए हैं। इस मामले पर आप ने कहा, जो व्यक्ति देश के लिए सोचता है, शिक्षा में बदलाव लाता है, पर्यावरण बचाने के लिए नए समाधान देता है, आज वही सत्ता की सस्ती राजनीति का शिकार बनाया जा रहा है। इसी के खिलाफ अरविंद केजरीवाल खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा सरकार जनता की आवाज को दबा रही है और लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर कर रही है। लद्दाख के लोग अपने संवैधानिक अधिकार की मांग कर रहे हैं केजरीवाल ने आगे कहा, लद्दाख के लोग किसी विशेषाधिकार की नहीं बल्कि सिर्फ अपने संवैधानिक अधिकार- वोट देने और अपनी सरकार चुनने की मांग कर रहे हैं, लेकिन भाजपा बार-बार वादे करने के बावजूद उनका हक नहीं दे रही। केजरीवाल ने कहा कि भारत ने अंग्रेजों से आजादी इसलिए नहीं ली थी कि जनता अंग्रेजों की जगह भाजपा की गुलाम बन जाए। भगत सिंह और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों ने लोकतंत्र के लिए बलिदान दिया था, लेकिन आज भाजपा राज्यों को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर जनता से उनके अधिकार छीन रही है। अगर आज लद्दाख की आवाज को अनसुना किया गया, तो कल यह पूरे देश की आवाज बन जाएगी। लद्दाख की जनता आज सिर्फ अपने अधिकारों के लिए नहीं बल्कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। उनकी हिम्मत और एकजुटता साबित करती है कि जनता जब ठान ले तो सत्ता को झुका सकती है। अरविंद केजरीवाल ने इस संघर्ष को देश की आवाज बताते हुए कहा कि लोकतंत्र तभी ज़िंदा रहेगा जब हर भारतीय लद्दाख के साथ खड़ा होगा।

पहली बार दिल्ली की रामलीला में शामिल हुए पानीपत वाले हनुमान जी, इसलिए है दूर-दूर तक ख्याति

नई दिल्ली। विवेक विहार स्थित डीडीए ग्राउंड में सजी भव्य रामलीला में इस बार एक नया अध्याय जुड़ गया है। आयोजकों ने दावा किया है कि इस बार दिल्ली की रामलीला में पहली बार पानीपत वाले हनुमान जी शामिल हुए हैं। वह राम जी के बराती बनकर सीता मां के द्वार पर ढोल बाजे के साथ पहुंचे। बरात में करीब 300 लोग शामिल हुए जिसमें कमेटी के लोग भी मौजूद रहे। भव्य रामलीला सोसाइटी के प्रधान सतीश लूथरा ने बताया कि बरात के दौरान, हनुमान जी केवल एक ही नहीं, बल्कि कई अलग-अलग रूपों में दिखाई दिए। इसके लिए पानीपत के हनुमान जी के विशेष दल को आमंत्रित किया गया था। उनका कहना है कि पानीपत के हनुमान जी की उपस्थिति से लोगों में जिज्ञासा उत्पन्न हुई, जिससे कि अधिक संख्या में लोग मैदान में पहुंचे। कौन हैं पानीपत वाले हनुमान जी पानीपत वाले हनुमान जी अपने अनूठे स्वरूप और सख्त नियम की वजह से मशहूर हैं। वह अपने पूरे शरीर पर सिंदूर का लेप लगाते हैं और अपने सिर पर एक बड़ा सा हनुमान जी मुखौटा पहनते हैं। खास बात यह है कि वह हनुमान जी का स्वरूप धारण करने के लिए दशहरा के 40 दिन पहले ही इसकी शुरुआत कर देते हैं। वह अपना घर-बार छोड़कर मंदिर में रहते हैं और व्रत का पूरा पालन करते हैं। कहा यह भी जाता है कि इस बीच वह 24 घंटे में सिर्फ एक बार अन्न खाते हैं। इसके अलावा वह नंगे पैर ही रहते हैं। साथ ही, जमीन या लकड़ी के तख्त पर सोते हैं। बताया जाता है कि आजादी से 80 साल से भी अधिक समय पहले पाकिस्तान के लैय्या जिले से इस परंपरा की शुरुआत हुई थी। पानीपत में ये परंपरा लैय्या बिरादरी की ही देन हैं। तभी से यह परंपरा चली आ रही है।

महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ गंगवार की आम सभा का किया गया आयोजन

रहरा/अमरोहा (सब का सपना):- विकासखंड के माही महिला प्रेरणा संकुल स्तरीय संघ गंगवार की आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अश्विनी कुमार खंड विकास अधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। कार्यक्रम का संचालन ब्लॉक मिशन प्रबंधक यादराम द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदी यो के द्वारा प्रस्तुति करण किया गया व खंड विकास अधिकारी द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली दीदीओ को उपहार देकर सम्मानित किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाली बैंक सखी अरुणा, बैंक सखी पूनम सिंह को सम्मानित किया गया। खंड विकास अधिकारी द्वारा दीदीओ को ग्राम संगठन एवं सीसीएल स्तर पर मिलकर आजीविका बढ़ाने हेतु उन्हें कार्य प्रारंभ करने के लिए निर्देशित किया गया। सहायक विकास अधिकारी आईएसबी राजकुमार सिंह द्वारा भी दीदीओ को बकरी पालन ,मछली पालन ,मुर्गी पालन , फूलों की खेती, सब्जी उत्पादक, ब्यूटी पार्लर की जानकारी देकर आजीविका बढ़ाने के लिए अवगत कराया गया। ब्लॉक मिशन प्रबंधक यादराम द्वारा दीदीओ की आय बढ़ाने के लिए पुरी लगन और निष्ठा के साथ कार्य करने के लिए कहा गया। कार्यक्रम मैं पूनम अध्यक्ष सी एल एफ ग्राम संगठन एवं सीएलएफ पदाधिकारी , बैंक सखी ,समूह सखी, स्वास्थ्य सखी , महिला मेठ,सहायक विकास अधिकारी आईएसबी राजकुमार सिंह, खन्ड विकास अधिकारी अश्विनी कुमार सिंह,ब्लाक मिशन प्रबंधन यादराम व दीदिया उपस्थित रही।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंदौसी में मिशन शक्ति कार्यक्रम का किया गया आयोजन

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चंदौसी में मिशन शक्ति कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त एवं जागरूक बनाना रहा। इस विशेष अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में इन्दु रानी, पूर्व अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद, चंदौसी उपस्थिति रही। साथ ही मिशन शक्ति टीम के सदस्य राम दुलारे सिंह, सब-इंस्पेक्टर, चन्दौसी भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के आयोजक डॉ. नरेंद्र सिंह पाल, प्रधानाचार्य, राजकीय आईटीआई, चंदौसी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए महिला सशक्तिकरण के विषय पर प्रेरणादायक उद्बोधन करते हुये बताया कि मिशन शक्ति केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह एक सामाजिक क्रांति का प्रतीक है। इसका उद्देश्य हमारी माताओं, बहनों और बेटियों को वह आत्मविश्वास और अवसर प्रदान करना है, जिसके वे पूर्ण रूप से अधिकारी हैं। आज की नारी शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बन रही है। हमें केवल उनका साथ देना है, उन्हें मंच और सम्मान देना है। राजकीय आईटीआई, चंदौसी, इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है कि महिला प्रशिक्षणार्थियों को उच्चतम तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक कौशल प्रदान किया जाए। मिशन शक्ति के माध्यम से हम सभी यह संदेश देना चाहते हैं कि नारी अबला नहीं, सबला है। समाज की सच्ची प्रगति तभी संभव है जब हम महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी का स्थान दें। प्रधानाचार्य के इस प्रेरणादायक भाषण ने सभी उपस्थित लोगों को महिलाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण और भूमिका पर पुनः विचार करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संवाद, प्रश्नोत्तर, और जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया। उपस्थित सभी व्यक्तियों ने मिशन शक्ति के उद्देश्यों की सराहना की और इस पहल को भविष्य में और अधिक व्यापक रूप से लागू करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारियों में मुकेश कुमार गौतम फोरमेन, देवेन्द्र सिंह फोरमेन बबराला, सुधीर सिंह, शिवम, मनोज कुमार, सुधाकर मिश्रा, अनिल गुप्ता व कीर्तिपाल शर्मा आदि भी उपस्थित रहे।

हरियाणा के लोगों के लिए खुशखबरी, अब वंदे भारत से कर सकेंगे राजस्थान की यात्रा

हरियाणाः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाकर इस ट्रेन को बीकानेर से रवाना किया। यह वंदे भारत एक्सप्रेस बीकानेर से दिल्ली तक 448 किलोमीटर की दूरी मात्र 6 घंटे 15 मिनट में तय करेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस हरियाणा के महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर भी रुकेगी, जिससे हरियाणा के लोगों के लिए दिल्ली और राजस्थान जाना और भी आसान हो जाएगा। इसके अलावा, यह ट्रेन हरियाणा से राजस्थान के प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों तक सीधी, तेज और आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराएगी। महेंद्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर, लोहारू से ट्रेन में सवार होकर आए महेंद्रगढ़-भिवानी लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह ने स्टेशन पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली के लिए रवाना किया। हरियाणा में महेंद्रगढ़ सहित कुल चार रेलवे स्टेशनों पर इस ट्रेन के ठहराव की मंजूरी दी गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इस नई सुविधा से क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं खुलेंगी। खासकर दिल्ली और बीकानेर तक छात्रों और कारोबारियों की आवाजाही तेज और सुगम होगी। महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कई राज्यों से छात्र अध्ययन करते हैं, जिन्हें अब यात्रा में बड़ी सुविधा मिलेगी। वंदे भारत एक्सप्रेस में कुल 608 सीटों की व्यवस्थावंदे भारत एक्सप्रेस पूरी तरह आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

दिल दहला देने वाली वारदातः दो बेटियों संग पिता ने किया सुसाइड

फरीदाबाद : हरियाणा के फरीदाबाद में एक युवक ने अपनी दो मासूम बेटियों के साथ कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों बेटियों में एक तो मात्र डेढ़ महीने की थी, जबकि दूसरी बेटी की उम्र करीब दो साल बताई गई है। गुरुवार की रात साढ़े आठ बजे घटना सामने आई। जिस वक्त यह घटना हुई, युवक अपनी दोनों बेटियों के साथ ही घर में अकेला था। उसके पिता और भाई बाहर गए थे। जब पिता लौटे तो युवक के कमरे का दरवाजा बंद मिला। ना खुलने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही सेक्टर-8 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सिविल अस्पताल की मॉच्युरी में भिजवाया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। मृतक के परिजनों से भी पूछताछ की जाएगी।

डेढ़ माह पहले हो गई थी पत्नी की मौत : युवक की पहचान 35 वर्षीय युवक निखिल गोस्वामी निवासी सेक्टर 8 के रूप में हुई। वह यहां अपने पिता उदय शंकर और भाई मनीष के साथ रहता था। डेढ़ माह पहले उसकी पत्नी पूजा की मौत डिलीवरी के वक्त हो गई थी। बताया गया कि बेटी को जन्म देने के बाद अधिक खून बहने से पूजा की मौत हुई थी। इससे पहले निखिल की दो साल की एक बेटी और थी, जिसका नाम सिद्धि था। डेढ़ माह की बेटी का नाम रिद्धि था। दोनों बेटियों के साथ घर में अकेला थाः पड़ोसियों के मुताबिक, उन्हें सूचना रात साढ़े आठ बजे उस वक्त मिली,जबकि निखिल के पिता उदय शंकर बाहर से टहल कर आए। उस वक्त निखिल और उसकी दोनों बेटियां ही घर में थी। कमरे का दरवाजा न खोलने पर उसके पिता ने पड़ोसियों और पुलिस को सूचना दी। बेटियां एक कमरे में, खुद दूसरे में किया सुसाइड : सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई। अंदर एक कमरे में निखिल का फंदे से लटका हुआ शव मिला। इसी के बगल वाले कमरे में दोनों बेटियों के शव मिले। यह देख पुलिस और वहां मौजूद लोगों के होश उड़ गए। इसके बाद पुलिस ने तीनों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

पड़ोसी बोले- पत्नी की मौत से था परेशान : पड़ोस में रहने वाले लोगों का कहना है कि करीब डेढ़ महीने पहले ही निखिल की पत्नी की डिलीवरी हुई थी। पत्नी के निधन के बाद से ही निखिल गहरे सदमे और डिप्रेशन में रहने लगा था। चह अक्सर अकेले रहता था। कहना है कि इसी मानसिक तनाव के कारण उसने यह कदम उठाया। पुलिस के मुताबिक, निखिल के भाई की पत्नी की भी आठ माह पहले हार्टअटैक से मौत हो गई थी। मनीष प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है, जबकि निखिल ने वर्तमान में कुछ नहीं करता था। एक साल पहले वह ठेकेदारी का काम करता था, जो उसने छोड़ दिया था। इनके पिता उदय शंकर इंडियन ऑयल कंपनी सेक्टर 12 से रिटायर्ड बताए गए है। मूल रूप से यूपी का रहने वाला है परिवार पुलिस के मुताबिक, उदय शंकर का परिवार मूल रूप से यूपी का रहने वाला है। मगर, 40 साल से यहां सेक्टर आठ में अपना मकान बनाकर रहे रहे है।

पुलिस चौकी में बिजली कर्मी के साथ मारपीट, धरने पर बैठे कर्मचारी, ब्लैकआउट की चेतावनी

चरखी दादरी : दादरी जिले के गांव मकड़ानी में बिजली चोरी पकड़ने गई बिजली निगम की टीम के साथ ग्रामीणों ने कर्मचारी पर पुलिस चौकी में हमला कर दिया। मामला बीते दिनों का है, जब टीम गांव में बिजली चोरी पकड़ने गई थी। ये मामला पुलिस में पहुंचा तो आरोपी पक्ष तैश में आ गया। घायल कर्मी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बिजली कर्मचारियों ने निगम कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना देते हुए रोष प्रदर्शन किया। बिजली कर्मियों का आरोप है कि पुलिस ने मिलीभगत कर केस दर्ज नहीं किया है। जबकि पुलिस चौकी में निगम के एएफएम रामबीर पर हमला हुआ। ऐसे में उनको अब बिजली चोरी रोकने के लिए जाने वाली टीमों से दूरी बनानी पड़ेगी। निगम अधिकारी के माध्यम से भी पुलिस को शिकायत दी गई, बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं हुई। ऐसे में उनकी हड़ताल व धरना अनिश्चितकालीन चलेगा। जरूरत पड़ी में बिजली का ब्लैक आउट कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

कुरुक्षेत्र के युवक की फ्रांस में हत्या, वीडियो देख परिजनों में मचा हड़कंप

हरियाणा : हरियाणा के कुरुक्षेत्र के युवक की फ्रांस में हत्या कर दी गई है। युवक विदेश काम करने के लिए गया था। इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें युवक खून में लथपथ हालत में पड़ा दिखाई दे रहा है। घटना की सूचना मिलने पर युवक के परिजनों व गांव में मातम छा गया। वहीं, परिजनों ने सरकार से युवक के शव को भारत लाने की अपील की है और आरोपियों पर कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। जानकारी के अनुसार कुरुक्षेत्र के रहने वाले हरपाल सिंह हैरी 15 साल पहले फ्रांस गए थे। वहां वह एक होटल में काम करते थे। वहीं, हरपाल के पिता बलबीर सिंह खेती-बाड़ी काम करते हैं। हरपाल की शादी हो चुकी थी और उसके 2 बच्चे भी हैं। हरपाल अपने माता-पिता के इकलौते बेटे थे। इस घटना की सूचना मिलने पर हरपाल के पिता बातचीत करने की स्थिति में नहीं हैं। उनके पड़ोसियों ने बताया कि 20 सितंबर को फ्रांस से हैरी के दोस्त ने ये 27 सेकेंड का वीडियो भेजा था, जिसमें दिखाई दे रहा था कि युवक पर धारदार हथियार से हमला किया था, जिससे उसकी मौत हुई है। वीडियो में साफ दिखाई दे रहा था कि पेट, सीने और किडनी के पास धारदार हथियार से किए गए हैं, जिनसे लगातार खून बह रहा है। वीडियो में महिलाओं के रोने और चीखने-चिल्लाने की आवाजें सुनाई दे रही हैं। साथ में एक अन्य युवक हरपाल के पैरों की तरफ सिर झुकाए बैठा हुआ है और रोने की भी आवाज आ रही है।

हरपाल के पिता ने दोषियों को सजा दिलाने और बेटे का शव जल्द से जल्द भारत लाने की मांग की है। परिजनों ने कहा कि हैरी के दोस्तों से पता चला कि फ्रांस पुलिस इस मामले की गहन जांच कर रही है और शव को भारत लाने में एक महीने तक का समय लग सकता है। परिजनों ने भारत सरकार और विदेश मंत्रालय से हस्तक्षेप करने की अपील की है।

गली-सड़ी हालत में मिला व्यक्ति का शव, पुलिस की 4 टीमें कर रही जांच

पानीपत : पानीपत के सेक्टर 13/17 में उस समय सनसनी फैल गई, जब एक व्यक्ति का शव गली-सड़ी और जली हुई हालत में मिला। सूचना मिलते ही आसपास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पानीपत के सिविल अस्पताल में भेजा। इस मामले को लेकर श्री महाकाल जन सेवा दल के कपिल मल्होत्रा ने बताया कि शव 7 से 8 दिन पुराना है, जिसको देखने में यह लगता है कि इसकी हत्या करके यहां पर फेंका गया है। शव में कीड़े चल रहे थे। उन्होंने कहा कि मृतक की पहचान मिटाने के लिए उसका सिर कूचा गया था और आग से जलाने की कोशिश की गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले को लेकर डीएसपी सतीश वत्स ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस पर मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि सीआईए सहित पुलिस की 4 टीमें जांच में जुटी हुई है। प्राथमिक दृष्टि से देखने में यह हत्या लग रही है। डीएसपी ने कहा कि जल्द में ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

हरियाणा में इन स्कूलों को मिलेगी फ्री बस-सर्विस, शिक्षा निदेशालय ने जारी किए निर्देश

चंडीगढ़ : सरकार ने पीएम श्री और मॉडल संस्कृति स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। अब इन स्कूलों के छात्रों को निःशुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस संबंध में शिक्षा निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। निदेशों के अनुसार, यह सुविधा केवल हरियाणा राज्य के उन्हीं विद्यार्थियों को दी जाएगी जो इन स्कूलों में अध्ययनरत हैं। प्रत्येक छात्र का रिकार्ड अलग से संधारित किया जाएगा ताकि व्यवस्था पारदर्शी रहे। साथ ही विद्यार्थियों को पास जारी किए जाएंगे, जिनसे वे एक दिन में केवल एक बार ही यात्रा कर सकेंगे। सरकार का मानना है कि इस कदम से ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले बच्चों को विशेष लाभ होगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक उनकी पहुंच और आसान बनेगी।

जींद में दर्दनाक हादसा, तेज रफ्तार स्कूटी ने ई-रिक्शा को टक्कर मारी, मासूम की मौत

हरियाणाः हरियाणा के जींद जिले में पटियाला चौक पर दर्दनाक हादसा हुआ। दरअसल, एक तेज रफ्तार स्कूटी ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पलट गया। इस हादसे में ई-रिक्शा में सवार 8 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। बच्चा अपने परिजनों के साथ रेलवे स्टेशन से घर लौट रहा था। टक्कर मारने के बाद आरोपी स्कूटी चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के रायबरेली जिले के बलईमऊ गांव के निवासी अरविंद ने पुलिस को बताया कि 24 सितंबर की रात लगभग साढ़े 11 बजे वह अपनी पत्नी और 2 बच्चों के साथ दिल्ली से लौट रहा था। रेलवे स्टेशन से घर आने के लिए वे ई-रिक्शा में सवार हुए। इसी दौरान जब वे पटियाला चौक के पास पहुंचे, तब एक तेज रफ्तार स्कूटी चालक ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे ई-रिक्शा पलट गया और उनका आठ वर्षीय बेटा राज नीचे दब गया। घायल बच्चे को तुरंत नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और 25 सितंबर को शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया। परिजन शव को उसके पैतृक गांव ले गए। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। फिलहाल, अज्ञात स्कूटी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

ताइवानी नींबू बना देगा मालामाल, जानिए कैसे करें इसकी खेती

फरीदाबादः कहते हैं, "धरती सोना उगलती है अगर किसान मेहनत से सींचे।" फतेहपुर बिल्लौच गांव की महिला किसान पूजा ने इसी कहावत को सच कर दिखाया है। पूजा ने अपने खेत में ताइवानी नींबू के पौधे लगाए हैं, जो आज उनके परिवार की आजीविका का महत्वपूर्ण स्त्रोत बन गए हैं। गांव की मिट्टी इस खास नींबू के लिए वरदान साबित हो रही है। ताइवानी नींबू की खासियत यह है कि इसका छिलका बेहद पतला होता है और इसका रस इतना भरपूर होता है कि इसे देखकर कोई इसे संतरे या मौसमी समझ बैठता है।

पूजा ने बताया कि उन्होंने एक एकड़ में करीब 400 ताइवानी नींबू के पौधे लगाए हैं। यह बगान अब चार साल पुराना हो चुका है। शुरूआत में पौधे की कीमत करीब 150 रुपये थी, जिससे लागत थोड़ी अधिक आई, लेकिन अब मेहनत रंग ला रही है। वह कहती हैं, ताइवानी नींबू को जितना पानी मिलेगा, उतना ही ज्यादा फूल और फल लगेंगे। खासकर ट्यूबवेल के पानी से नींबू जल्दी फलता है। खेती में पूजा केवल ऑर्गेनिक खाद और गोबर का इस्तेमाल करती हैं। बारिश के मौसम में खाद को पेड़ की जड़ों के पास डालती हैं ताकि पानी के साथ खाद सीधे जड़ों तक पहुंच सके। नींबू की बिक्री से भी पूजा को अच्छी आमदनी हो रही है। अगस्त से फरवरी तक चलने वाले इस सीजन में ताइवानी नींबू मंडी में 30 से 40 रुपये प्रति किलो बिकते हैं। पूजा बताती हैं, शुरूआत में खर्च ज्यादा था, लेकिन अब लागत निकल चुकी है और खेत लगातार मुनाफा दे रहा है। पूजा की मेहनत और लगन ने साबित कर दिया है कि सही दिशा में की गई खेती से ग्रामीणों की जिंदगी बेहतर बन सकती है और आत्मनिर्भरता हासिल की जा सकती है।

महिला शक्ति की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरी लाडो लक्ष्मी योजना, भाजपा सरकार ने किया बड़ा धोखाः दिग्विजय चौटाला

चंडीगढ़ : जननायक जनता पार्टी ने भाजपा सरकार की लाडो लक्ष्मी योजना पर सवाल उठाते हुए इसे वादाखिलाफी बताया है। जेजेपी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा कि इस योजना को सही ढंग से लागू न करके भाजपा सरकार ने हरियाणा की महिला शक्ति के साथ बड़ा धोखा किया हैं। उन्होंने कहा कि योजना के लाभ के लिए एक लाख रुपए की आय निर्धारित करना सरासर गलत है, क्योंकि चुनाव से पहले भाजपा ने सभी महिलाओं को 2100 रुपए मासिक देने का वादा किया था। दिग्विजय ने यह भी कहा कि क्या मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक लाख वार्षिक आय से अधिक वाली गरीब परिवार की महिलाओं को अमीरों की सूची में रखते है ? ऐसे में तो गरीब परिवार की पात्र लाखों महिलाएं इस योजना से वंचित रहेगी। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि लाडो लक्ष्मी योजना भाजपा सरकार की विफलता को साफ दशार्ती है कि कैसे भाजपा चुनाव के समय में महिलाओं से झूठ बोलती है और बाद में आधी-अधूरी योजना लागू करके महिलाओं के साथ छलावा करती है। दिग्विजय ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि इस योजना के तहत सरकार पांच लाख से भी कम महिलाओं को पात्र मान रही है जबकि असलियत ये है कि आज हर गरीब आम परिवार की 30 लाख से भी ज्यादा महिलाओं का लाडो लक्ष्मी योजना पर हक बनता है।

दिग्विजय ने कहा कि भाजपा सरकार महिलाओं के साथ धोखा करने की बजाय उनका सम्मान करें और सभी हकदार महिलाओं को इस योजना के तहत लाभान्वित करें। साथ ही सरकार योजना के लाभ लेने के लिए लगाई गई अन्य डाक्यूमेंट्स की शर्तों में भी सरलता करें। दिग्विजय चौटाला ने आगे यह भी कहा कि भाजपा सरकार बुढ़ापा पेंशन में भी आय की शर्त लगाकर लाभार्थियों की संख्या घटा रही है और बुजुर्गों का अपमान कर रही है।

दिग्विजय ने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा बुढ़ापा पेंशन बढ़ाने के बयान पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पहले तो भाजपा सरकार जननायक चौधरी देवीलाल द्वारा लागू की गई इस योजना को समझें कि किस सोच के साथ चौ. देवीलाल ने इस योजना को लागू किया था।

उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए आज सरकार को बुढ़ापा पेंशन 5100 रूपए करनी चाहिए और जिन बुजुर्गों की पेंशन काटी गई है, उसे तुरंत बहाल किया जाए।

पराली को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर, दर्जनों टीमें कर रही निगरानी, चप्पे-चप्पे पर नजर

कुरुक्षेत्र : पराली प्रबंधन को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कुरुक्षेत्र जिला प्रशासन रेड अलर्ट पर है। जिसकी निगरानी के लिए दर्जनों टीमें बनाई गई हैं जो, चप्पे-चप्पे पर नजर रखे हुए हैं। वही पराली प्रबंधन करने पर जिले के 50 हजार किसानों को अनुदान में 30 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। इसी बीच चल रहे सीजन में धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में पराली जलाने का एक मामला भी प्रकाश में आ गया है। डिप्टी डायरेक्टर एग्रीकल्चर कर्म सिंह ने बताया कि इस बार 3.20 लाख एकड़ में धान की फसल लगाई गई है। पराली प्रबंधन के लिए 3 हजार सीडर व 150 बेलर यानी पर्याप्त मात्रा में मशीनों की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि जो भी किसान पराली जलाता मिला तो 5 हजार से 30 हजार रुपए तक का जुमार्ना, FIR और 2 साल तक फसल टरढ पर नहीं बेच सकेगा। डिप्टी डायरेक्टर ने कहा कि मेरी फसल मेरा ब्यौरा पर पंजीकरण न होना यानि तमाम सुविधाओं से वंचित रहना पड़ता है। पिछले साल 180 किसानों की रेड एंट्री कर 74 मामले दर्ज किए गए थे। वहीं 1 लाख 80 हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया। उन्होनें कहा कि प्रशासन इस बार पहले से भी ज्यादा मुस्तैद है।

'कांग्रेस के पास ना कार्यकर्ता और ना ही संगठन', कृषि मंत्री का विपक्ष पर कटाक्ष

चरखी दादरी : हरियाणा के कृषि एवं पशुपालन मंत्री ने राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों पर कटाक्ष किया वहीं भाजपा का गुणगान भी किया। मंत्री ने कहा कि चुनाव में हार देखकर ही राहुल गांधी वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। राहुल गांधी की कई पीढ़ियां देश के प्रधानमंत्री बन चुके हैं, बावजूद इसके ये जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैं। वोटें तो लीगल तरीके से बनती हैं, अगर वोटों की चोरी होती तो चुनाव कमीशन संज्ञान लिया जाता।

मंत्री श्याम सिंह राणा चरखी दादरी में कष्ट निवारण समिति की बैठक में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने बाढड़ा विधायक उमेद पातुवास व डीसी डा. मुनीष नागपाल की मौजूदगी में 15 परिवारवादों का निपटारा किया और अधिकारियों को समय पर जन समस्याएं निपटाने बारे निर्देश दिए। इस दौरान मंत्री ने ग्राम पंचायतों से सरकार के विकास को आगे बढ़ाने के लिए जमीन उपलब्ध कराने का भी आह्वान किया।

हारने पर आरोप लगाती है कांग्रेस- राणा

कृषि मंत्री ने मीडिया के सवालों के जवाब में कहा कि वोटों की रखवाली के लिए कांग्रेस के पास ना कार्यकर्ता हैं और ना ही संगठन। ये जब भी हारेंगे तो फिर वोट चोरी के आरोप लगाएंगे। नियमानुसार वोट बनती हैं और काटी भी जाती हैं, चुनाव आयोग अपना काम कर रहा है। वोट बचाने के लिए कार्यकताओं की फौज चाहिए, कांग्रेस के पास कार्यकर्ता नहीं हैं। हार के बाद बौखला गई है कांग्रेस- राणा कृषि मंत्री ने कहा कि बिहार चुनाव में भाजपा का मजबूत संगठन के बूते जीत दर्ज होगी। कांग्रेस के पास ना संगठन और ना कार्यकर्ता, कांग्रेसी हार से बौखला गये हैं। हरियाणा कांग्रेस पार्टी में भी आपसी फूट है। यहीं कारण है कि ये प्रदेशाध्यक्ष तो दूर नेता प्रतिपक्ष तक नहीं बना पाये। वहीं कहा कि फसलों की ई-क्षतिपूर्ति पर अधिकारी मुआयना कर रहे हैं, जल्द ही किसानों को मुआवजा मिलेगा।

भारतीय वायुसेना ने मिग-21 को दी विदाई, एयर चीफ मार्शल ने भरी अंतिम उड़ान

चंडीगढ़ः भारतीय वायुसेना में शामिल पहले सुपरसोनिक फाइटर जेट मिग-21 का आज चंडीगढ़ एयरबेस पर भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस जेट में आखिरी उड़ान एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने भरी। अब यह ऐतिहासिक विमान आसमान के बजाय म्यूजियम में स्थायी रूप से रखा जाएगा। इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने कहा कि मिग-21 विमान ने 62 वर्षों तक भारत और रूस के बीच गहरे सैन्य सहयोग को दशार्या है।

उन्होंने बताया कि यह जेट 1971 के युद्ध से लेकर कारगिल संघर्ष, बालाकोट एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर तक भारत की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा। मिग-21 की पहली लैंडिंग 1963 में चंडीगढ़ एयरफोर्स स्टेशन पर हुई थी और उसी वर्ष अम्बाला में इसकी पहली स्क्वॉड्रन भी बनी थी। इसका निकनेम 'पैंथर' या 'तेंदुआ' था।

25 अगस्त 2025 को बीकानेर से भरी थी आखिरी उड़ान

रूसी मूल के इस विमान ने 25 अगस्त को राजस्थान के बीकानेर स्थित वायुसैनिक अड्डे से अपनी आखिरी उड़ान भरी। छह दशकों तक भारतीय वायुसेना का अभिन्न हिस्सा रहे मिग-21 का बाइसन संस्करण आधुनिक तकनीक से लैस था।मिग-21 के हादसों का काला इतिहासः उड़ता ताबूत के नाम से विख्यात मिग-21 के आखिरी वर्षों में हुए 300 से अधिक हादसों में 170 से अधिक भारतीय पायलट और 40 नागरिक मारे गए। इसे फ्लाइंग कॉफिन यानी उड़ता ताबूत भी कहा गया। 1966 से 1984 के बीच बने 840 विमानों में से आधे से अधिक हादसों में खो गए। पिछले चार वर्षों में भी सात मिग-21 दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें कई पायलटों की जान गई।

प्रमुख दुर्घटनाएं

5 जनवरी 2021, सूरतगढ़ (राजस्थान) पायलट सुरक्षित

17 मार्च 2021, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) ग्रुप कैप्टन की मौत

20 मई 2021, मोगा (पंजाब) पायलट की मृत्यु

25 अगस्त 2021, बाड़मेर (राजस्थान) पायलट सुरक्षित

25 दिसंबर 2021, राजस्थान पायलट की मृत्यु

28 जुलाई 2022, बाड़मेर (राजस्थान) दो पायलटों की मौत

8 मई 2023, हनुमानगढ़ (राजस्थान) पायलट सुरक्षित

मिग-21 की विदाई भारतीय वायुसेना के एक युग के समापन का प्रतीक है और यह विमान हमेशा वीरता, साहस और देशभक्ति का प्रतीक बना रहेगा।

पानीपत में गोल्डन फैक्ट्री पर विवाद, विधायक और उद्यमी आमने-सामने, जमकर हुआ हंगामा

पानीपत : पानीपत में स्वास्तिक रोड चौड़ीकरण के दौरान गोल्डन फैक्ट्री गिराने को लेकर गुरुवार को बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। शहर के 200 से अधिक उद्यमी विधायक प्रमोद विज के आवास पर पहुंचे और निगम की कार्रवाई को लेकर 2 घंटे तक तीखी बहस हुई। उद्यमियों का आरोप था कि निगम बिना वजह फैक्ट्री गिरा रहा है, जबकि विज ने स्पष्ट किया कि यह कदम निगम का है, उनका इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं है। विवाद के दौरान विधायक विज और उद्यमी विनोद धमीजा के बीच जमकर तकरार हुई। धमीजा ने कहा कि उन्होंने भरोसा दिलाया था कि गलत काम नहीं होगा, बावजूद इसके रात 12 बजे कार्रवाई हुई। इस पर विज ने पलटवार किया कि धमीजा ने खुद अवैध पेट्रोल पंप बनाया, फिर भी उन्होंने कुछ नहीं कहा। वहीं फैक्ट्री मालिक वेद प्रकाश चुघ ने आरोप लगाया कि नेताओं ने आसपास जमीन खरीदी है और कीमत बढ़ाने के लिए उनकी फैक्ट्री को निशाना बनाया गया।हंगामे के बाद फैक्ट्री मालिक ने कांग्रेस नेता बुल्ले वरिंदर शाह के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर निगम पर राजनीतिक दबाव में कार्रवाई करने का आरोप लगाया। इधर, नगर निगम कमिश्नर पंकज यादव ने कहा कि फैक्ट्री संचालक को 3 नोटिस दिए गए थे, संभवतः संचार की कमी रही। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जमीन की पैमाइश कर निष्पक्ष समाधान किया जाएगा।

उच्च स्तरीय जांच की मांग

आप नेता अजय सिंगला ने सवाल उठाया कि यदि फैक्ट्री अवैध थी तो अब निर्माण कैसे चल रहा है और यदि वैध थी तो तोड़ा क्यों गया। उन्होंने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच और शहर में चल रहे अवैध निमार्णों पर कार्रवाई की मांग की।

राज्य खेल महाकुंभः हिसार बना पुरुष कबड्डी चैंपियन, करनाल की महिलाओं ने रचा इतिहास

पलवल : राज्य खेल महाकुंभ में हिसार की पुरुष वर्ग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कबड्डी चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। हिसार के खिलाड़ियों ने 36 के मुकाबले 40 अंक प्राप्त कर चैम्पियन ट्राफी अपने नाम की। वहीं महिलाओं के मुकाबले में करनाल की महिला खिलाड़ियों ने अपनी दमदार खेल प्रतिभा और टीम भावना से सबको प्रभावित किया और जीत दर्ज कर अपने जिले का नाम रोशन किया। खेल राज्य मंत्री राजेश नगर में खिलाड़ियों के खेल प्रतिभा की सराहना करते हुए खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया। नागर ने कहा कि राज्य सरकार खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन काम करने का काम कर रही है। राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में महिलाओं के महा मुकाबले में करनाल की कबड्डी टीम ने अपनी शानदार खेल प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। खिलाड़ियों ने फाइनल मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी जींद की टीम को मात दी और विजेता की ट्रॉफी अपने नाम की। महिलाओं के कबड्डी मुकाबले में सोनीपत और हिसार की टीमों को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। पुरुष वर्ग में रोहतक और सोनीपत संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। और जींद के खिलाड़ियों ने द्वितीय स्थान हासिल किया। मैच के दौरान कबड्डी के खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल, चुस्ती और फुर्ती का परिचय देते हुए दर्शकों का दिल जीत लिया। खिलाड़ियों ने आक्रामक रेड और मजबूत डिफेंस का ऐसा नजारा पेश किया, जिससे विरोधी टीम को संभलने का कोई मौका नहीं मिला। इस जीत के बाद खिलाड़ियों और कोच का जोश देखने लायक था। टीम के कप्तान ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे जिले के लिए गर्व की बात है और यह जीत लगातार मेहनत और टीमवर्क का परिणाम है। खेल प्रेमियों और स्थानीय खेल अधिकारियों ने करनाल टीम की इस उपलब्धि पर खुशी जताई और खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ में की यह जीत जिले के उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी और आने वाले समय में और भी बेहतर प्रदर्शन करने की राह दिखाएगी।

भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से करारी हार दी, सीरीज में किया क्लीन स्वीप

ब्रिसबेन (एजेंसी)। वेदांत त्रिवेदी (86) और राहुल कुमार (62) की अर्धशतकीय पारियों के बाद खिलन पटेल (चार विकेट) और उद्धव मोहन (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने शुक्रवार को तीसरे एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की अंडर -19 को पहले ही ओवर में कनिष्क चौहान ने एलेक्स ली यंग (चार) को आउटकर पहला झटका दिया। इसके बाद उद्धव मोहन ने स्टीवन होगन (नौ), कप्तान विल मालाजचुक (15) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाया। टॉम होगन ने एलेक्स टर्नर के साथ चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 20वें ओवर में कनिष्क चौहान ने एलेक्स टर्नर (32) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने दबाव बनाते हुए टॉम होगन (28) को रन आउट कर दिया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज अधिक देर नहीं टिक सके और ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 28.3 ओवर में 113 रन पर ढ़ेर हो गई। ऑस्ट्रेलिया के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से खिलन पटेल ने 7.3 ओवर में 26 रन देकर (चार विकेट) लिये। उद्धव मोहन ने पांच ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट झटके। कनिष्क चौहान ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारत की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत को पहला झटका दूसरे ही ओवर में कप्तान आयुष म्हात्रे (चार) के रूप में लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विहान मल्होत्रा ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पारी को आगे बढ़ाया और स्कोर को 36 रन तक ले गये, इसी दौरान चार्ल्स लैचमुंड ने वैभव सूर्यवंशी (16) को अपना शिकार बना लिया। वेदांत त्रिवेदी ने विहान मल्होत्रा के साथ तीसरे विकेट के लिये 69 रन जोड़े। 21वें ओवर में विल मालाजचुक ने विहान मल्होत्रा (40) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए राहुल मल्होत्रा ने वेदांत त्रिवेदी के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम के लिए बड़े स्कोर की नींव रखी। 38वें ओवर में केसी बाटर्न ने शतक की ओर बढ़ रहे वेदांत त्रिवेदी को आउट कर पवेलियन भेज दिया। वेदांत त्रिवेदी ने 92 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 86 रनों की पारी खेली। हरवंश पंगालिया (23) पांचवें विकेट के रूप में आउट हुए। राहुल कुमार ने 84 गेंदों में छह चौकों की मदद से 62 रन बनाए।

कनिष्क चौहान (सात), अमब्रिश (एक), दीपेश देवेंद्रन दो रन बनाकर आउट हुये। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 280 रन का स्कोर बनाया। खिलन पटेल 20 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया अंडर -19 टीम के लिए विल बायरोम, केसी बाटर्न ने तीन-तीन विकेट लिये। चार्ल्स लैचमुंड, बेन गॉडर्न, विल मलाजचुक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

चाइना ओपन में कोको गॉफ की विजयी शुरुआत, रूस की राखिमोवा को सीधे सेटों में हराया

बीजिंग (चीनी) (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में हराकर चाइना ओपन में अपने खिताब के बचाव के अभियान की शुरुआत की। आज यहां खेले गये मुकाबले में गॉफ ने राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराया। 21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस स्टार के लिए पहले सेट में युवा खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, क्योंकि उन्हें चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा।

दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ और ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, उन्होंने पहले दौर का मुकाबला मात्र 44 मिनट में जीत लिया। मैच के बाद गॉफ ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि मुकाबला काटे का होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों में उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ कड़ी टक्कर दी है। मैंने अपनी लय पकड़ ली और लय में आ गई।

कोई भी पहला राउंड हारना नहीं चाहता, इसलिए मुझे लगता है कि मैं थोड़ी तनाव में थी, लेकिन मैं खुद को संभालने में कामयाब रही और मुझे लगता है कि इसका असर मेरे स्कोर पर दिखा।% गॉफ का अगला मुकाबला कनाडा की विश्व नंबर 25 खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज़ से होगा, जिन्होंने मारिया सक्कारी को 6-2, 6-0 से हराया।

एशिया कप फाइनल में पहली बार भारत-पाकिस्तान का होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप फाइनल में रविवार को भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच पहली बार मुकाबला होगा। एशिया कप में ये पहली बार होगा जब फाइनल में इन दोनो टीमों में टक्कर हो रही है। इस बार दोनो टीमों के बीच

लीग और सुपर फोर में भी मुकाबला हुआ था जिसमें भारतीय टीम जीती थी। अब एक बार फिर दोनों टीमें फाइनल में उतरने जा रही हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड नौवीं बार विजेता बनना रहेगा। भारतीय टीम ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में फाइनल में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने एशिया कप 8 बार जीता है जबकि पाकिस्तान ने 2 बार जीता है। भारतीय टीम ने साल 1984, 1988, 1990-91, 1995, 2010, 2016, 2018 और 2023 में जीत दर्ज की जबकि पाक ने साल 2000 और 2012 में इस टूर्नामेंट को जीता था। इस बार भारतीय टीम ने सुपर फोर में बांग्लादेश को 41 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई, वहीं पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराया। भारतीय टीम ने इस बार लीग और सुपर फोर के पहले ही मैच में पाक को एकतरफा अंदाज में हराया था। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य उसके खिलाफ तीसरी जीत दर्ज करना रहेगा। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2022 में फाइनल खेला था। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2022 में एशिया कप का फाइनल खेला था। उस संस्करण में पाकिस्तानी टीम उपविजेता रही थी। दूसरी ओर, भारत ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में एशिया कप 2023 के फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर आठवी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था.

एशिया कप फाइनल : सूर्यकुमार पर बड़ा एक्शन, आईसीसी ने फाइनल से पहले की कार्रवाई

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले के लिए आचार संहिता उल्लंघन का दोषी पाया गया है। दरअसल 14 सितम्बर को खेले मैच के बाद एक बयान में उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य झड़प का हवाला दिया था।

आईसीसी की आचार संहिता के मुताबिक क्रिकेट से इतर राजनीतिक या संवेदनशील मुद्दों को जोड़कर टिप्पणी करना नियमों के खिलाफ माना जाता है। पाकिस्तान ने सूर्यकुमार के खिलाफ आईसीसी में राजनीतिक टिप्पणी करने का मामला दर्ज कराया था। सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर अपनी टीम की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। पहलगाम पीड़ितों

के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए टॉस के समय और मैच के बाद भारत द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों से पारंपरिक हाथ मिलाने से इनकार करने के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव चरम पर है।

30 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना

मैच रेफरी ने जांच के बाद सूर्यकुमार यादव पर उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया। हालांकि यह एक लेवल-1 अपराध माना गया है, इसलिए किसी तरह का बैन या निलंबन नहीं लगाया गया। भारतीय कप्तान की सुनवाई आईसीसी मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने की। सूर्यकुमार ने आरोप हालांकि से इनकार किया और उन्हें टूर्नामेंट के बाकी मैचों में ऐसा कोई बयान नहीं देने को कहा गया जिसे राजनीतिक माना जा सके।

आचार संहिता के तहत मामला

आईसीसी की आचार संहिता खिलाड़ियों को मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह ऐसी टिप्पणियों से बचने की सलाह देती है, जो किसी राष्ट्र, धर्म या राजनीतिक विवाद को छूती हों। सूर्यकुमार यादव ने फैसले को स्वीकार कर लिया है इसलिए अब किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं होगी।

हारिस रऊफ पर भी लगा जुर्माना

वहीं भारत के खिलाफ मैच एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को गोली चलाने का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई है। इसी के साथ ही हारिस रऊफ पर अभिषेक शर्मा के साथ आक्रामक व्यवहार के लिए उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप के लिए आजकल अभ्यास में लगी हुई है। विश्वकप भारत और श्रीलंका के मैदानों में खेला जाएगा। भारतीय टीम अभ्यास के दौरान सबसे अधिक ध्यान क्षेत्ररक्षण सुधारने पर लगा रही है। इसका कारण है कि टीम का क्षेत्ररक्षण कमजोर है और उसे इस विभाग में सुधार की जरूरत लगी है। अभ्यास सत्र का एक विडियो भी आया है। इसमें टीम वॉर्म-अप की शुरुआत फुटबॉल खेलने से करती दिखी। इसके बाद फिर उसने कैच और थ्रो का अभ्यास किया। अभ्यास सत्र का अधिकतर हिस्सा क्षेत्ररक्षण पर ही केंद्रित था जिसमें खिलाड़ी नजदीक से स्टंप्स पर हिट करती, तेजी से 'पिक और थ्रो' करती दिखीं। मैच के सामान ही तेजी से गेंद विकेटकीपर को देते दिखीं। हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण काफी कमजोर था इस कारण उसे 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी। एकदिवसीय विश्व कप गुवाहाटी में भारत और श्रीलंका के बीच मैच 30 सितंबर को होने वाले पहले मैच से शुरू होगा। इसमें दो बार की उप विजेता भारतीय टीम का लक्ष्य अपना पहला खिताब जीतना रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं रोहित, 10 किलो वजन घटाया

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आजकल ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारियों में लगे हैं। रोहित इसी कारण फटनेस बेहतर बनाने में लगे हुए हैं। पिछले कुछ समय में बढ़ते हुए वजन को लेकर उठते हुए सवालों के कारण रोहित ने अपनी वजन भी 10 किलों घटा लिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में रोहित के प्रशंसकों को उन्हें देखने का अवसर मिलेगा। रोहित चैम्पियंस ट्रॉफी से ही खेल से दूर हैं। ऐसे में प्रशंसक उन्हें लंबे समय के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय मैच को खेलते हुए देखेंगे। रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिा दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर एकदिवसीय विश्वकप 2027 के लिए टीम में जगह बनाये रखना रहेगा। इस दौरान बढ़ती उम्र में फिटनेस बनाये रखना उनके लिए सबसे कठिन होगा। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने रोहित के नये लुक ककी तस्वीर साझा करते हुए लिखा है कि उन्होंने आना वजन 10 किलोग्राम कम किया है। उन्होंने रोहित के अभ्यास सत्र की एक तस्वीर भी साझा करते हुए लिखा है कि दस किलो वजन कम करने के बाद भी काम में लगे हुए हैं। गौरतब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज अगले महीने 19 अक्टूबर से शुरु होगी। इसके साथ करीब सात माह के बाद रोहित एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखाई देंगे। वह पिछली बार मार्च में आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखाई दिए थे। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल उनका आखिरी मैच था।

शोएब अख्तर ने एशिया कप फाइनल से पहले पाकिस्तान टीम को दिया जीत का फॉर्मूला

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 का महामुकाबला तय हो चुका है। भारत और पाकिस्तान तीसरी बार आमने-सामने होंगे, लेकिन इस बार दांव कहीं ज्यादा बड़ा है ट्रॉफी का। भारत दोनों पिछली भिड़ंत में बाज़ी मार चुका है, जबकि पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर शानदार अंदाज़ में फाइनल का टिकट कटाया। ऐसे माहौल में पाकिस्तान के दिग्गज तेज़ गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपनी टीम को खास सलाह दी है।

पाकिस्तान को मानसिकता बदलनी होगी

रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर ने 'गेम ऑन है' शो में कहा कि पाकिस्तान को मानसिकता बदलनी होगी। अख्तर का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा पाकिस्तानी टीम पर असर डालता है और इसे तोड़ना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'इस मानसिकता से बाहर निकलो, उनके आभामंडल को किनारे रखो। बस उनके आभामंडल को तोड़ दो। वही रवैया अपनाओ जो बांग्लादेश के खिलाफ दिखाया था। तुम्हें 20 ओवर बस निकालने नहीं हैं, तुम्हें विकेट लेने हैं।'

अभिषेक शर्मा पर नजर

रणनीति के तौर पर अख्तर ने साफ कहा कि पाकिस्तान को भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पर फोकस करना होगा। अख्तर के मुताबिक अभिषेक को जल्दी आउट कर दिया गया तो भारत दबाव में आ जाएगा और पाकिस्तानी गेंदबाजों के लिए मौके खुलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी बात याद रखना, अगर अभिषेक शर्मा पहले दो ओवरों में आउट हो गए तो भारत मुश्किल में पड़ जाएगा। उन्हें शुरुआती बढ़त वही देता है। हां, वह गलत टाइमिंग करेंगे, बस आपको पूरा दम लगाना होगा।'

भारत पाकिस्तान के खिलाफ अलग खेलता है

गंभीर के अनुभव साझा करते हुए अख्तर ने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को जानता हूं। वह अपनी टीम से हमेशा कहते हैं, पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ दो। पाकिस्तान चाहे लीग स्टेज में ढीला खेले, लेकिन जैसे ही फाइनल आता है, वो सबसे अच्छा क्रिकेट खेलता है। हमारे साथ पहले भी ऐसा कई बार हुआ है।'

फाइनल से पहले का माहौल

भारत फाइनल में बड़े दावेदार के तौर पर उतर रहा है, लेकिन पाकिस्तान की जीत के लिए शाहीन अफरीदी की गेंदबाजी और बल्लेबाज़ी के साथ टीम की आत्मविश्वास भरी मानसिकता अहम होगी। शोएब अख्तर के संदेश ने साफ कर दिया है कि यह मैच सिर्फ कौशल नहीं, बल्कि दिमाग और हिम्मत का भी इम्तिहान होगा।

भारी बारिश के कारण अंतिम दिन का खेल रद्द, जमाल हुसैन ने जीता गोलकोंडा मास्टर्स का खिताब

हैदराबाद। बांग्लादेश के जमाल हुसैन को शुक्रवार को हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन (HGA) में भारी बारिश के कारण अंतिम राउंड रद्द होने के बाद 1 करोड़ रुपए की एनएसएल लक्स प्रेजेंट्स तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स 2025 का विजेता घोषित किया गया। टूर्नामेंट का परिणाम 54 होल के बाद कुल स्कोर के आधार पर घोषित किया गया क्योंकि खराब मौसम के कारण चौथे राउंड में कोई खेल संभव नहीं था। जमाल हुसैन (61-62-64), जिन्होंने 54 होल के अपने 23-अंडर 187 के स्कोर की बदौलत तीसरे राउंड के बाद चार शॉट से बढ़त बनाई, ने इस तरह अपना छठा और पिछले साल नवंबर के बाद पहला खिताब जीता। परिणामस्वरूप, ढाका के 40 वर्षीय खिलाड़ी ने 15 लाख रुपये की विजयी राशि प्राप्त की, जिससे वह 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 14वें स्थान से 10वें स्थान पर पहुंच गए। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (62-64-65) ने तीन राउंड के बाद 19-अंडर 291 का कुल स्कोर बनाकर उपविजेता स्थान प्राप्त किया। अक्षय ने 10 लाख रुपये का चेक प्राप्त किया और पीजीटीआई की मेरिट सूची में 34वें स्थान से 21वें स्थान पर पहुंच गए। बेंगलुरु के खलिन जोशी (65-66-66) ने 13-अंडर 197 के कुल स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

टीम इंडिया ए ने रचा इतिहास, केएल राहुल और साई सुदर्शन ने ठोके शतक

लखनऊ। इंडिया ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की है। 412 रन के लक्ष्य को चेज कर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया। इससे पहले टीम ए टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी भी टीम ने ऐसा कमाल नहीं किया। भारत के इस रिकॉर्ड रन चेज में दो बल्लेबाजों ने शतकीय पारी खेली। दरअसल, टीम ए टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम ने 400 से ज्यादा रनों का टारगेट चेज किया हो। इससे पहले किसी भी टीम ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 से ज्यादा रनों का टारगेट चेज नहीं किया था। भारत के इस रिकॉर्ड रन में केएल राहुल और साई सुदर्शन ने अहम भूमिका निभाई।

भारत ने चेज किया 412 रन का टारगेट- मैच में इंडिया ए के सामने जीत के लिए 412 रनों का टारगेट था। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया ए को इस मैच में बेहतरीन शुरुआत मिली। एन जगदीशन और केएल राहुल के बीच पहले विकेट के लिए 176 रन की पार्टनरशिप हुई। एन जगदीशन 36 रन बनाकर आउट हुए जिसके बाद केएल राहुल रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे।

वहीं चौथे दिन केएल राहुल ने फिर से बल्लेबाजी की और 176 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी इस पारी में उन्होंने 16 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन शतक जड़ा। वह 172 गेंद में 100 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान ध्रुव जुरेल ने 66 गेंद में 56 रनों की पारी खेली। नितीश कुमार रेड्डी 16 रन बनाकर नाबाद लौटे। राहुल को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

इरफान पठान ने पाक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह मिलने पर सवाल उठाये

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह मिलने पर ही सवाल खड़े कर दिये हैं। पठान ने कहा कि बेहद खराब बल्लेबाजी के बाद भी सैम को गेंदबाजी के तौर पर टीम को जगह मिलना हैरानी की बात है। पठान ने कहा कि सैम ने अब तक के पांच मैचों में केवल 23 रन बनाये हैं और वह चार बार शून्य पर ही आउट हुए हैं। अगर ऐसा प्रदर्शन किसी अन्य देश में होता तो करियर ही समाप्त हो जाता पर सैम कैसे टीम में बने हुए हैं, समझ नहीं आ रहा। सैम अयूब एशिया कप में बल्लेबाज के तौर पर फ्लाप रहे हैं। वह भारत के खिलाफ सुपर 4 के पहले मैच में 21 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ 2 रन ही बना पाये। बाकि के मैचों में शून्य पर आउट हुए। सैम अयूब के बांग्लादेश के खिलाफ सुपर सिक्स मैच में शून्य पर आउट होने के बाद पठान ने कमेंट्री के दौरान करा, अगर ऐसा प्रदर्शन किसी और देश के लिए होता तो करियर कब का खत्म हो जाता। इस बल्लेबाज ने 6 मैच खेलने के बाद केवल 23 रन बनाए हैं ये सोचने वाली बात है कि एक टीम का ओपनर जिसे रन बनाने के इतने मौके मिलते है, वही उसमें विफ रहता है। उसे अगर गेंदबाजी की वजह से अंतिम ग्यारह में जगह मिल रही है तो पारी की शुरुआत कोई और करे क्योंकि सलामी बल्लेबाज के शीघ्र आउट होने से टीम पर अनावश्यक दबाव आता है।

एशिया कप विवाद- हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर गहरा संकट, आईसीसी कर सकती है बड़ी कार्रवाई

दुबई (एजेंसी)। पिछले रविवार को पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ और साहिबजादा फरहान पर भारत के खिलाफ एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान आक्रामक व्यवहार और भड़काऊ इशारों के लिए आईसीसी कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को हारिस राउफ पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। वहीं सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को गोलीबारी का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई। भारत के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ इशारों के लिए पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस राउफ और साहिबजादा फरहान ने शुक्रवार को आईसीसी की सुनवाई में खुद को निर्दोष बताया।

गौरतलब है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान हुआ विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर भड़काऊ इशारे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मामले की जांच शुरू की और शुक्रवार को दोनों खिलाड़ियों की सुनवाई पूरी की।

मैच रेफरी रिची रिचर्डसन की देखरेख में हुई सुनवाई के दौरान दोनों खिलाड़ियों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया। दोनों ने लिखित जवाब भी सौंपे। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी जवाबी शिकायत दर्ज कराते हुए भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने मैच के बाद राजनीतिक बयान दिया। सूर्यकुमार ने भारत की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। हालांकि, सूर्यकुमार ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ श्रद्धांजलि देना था और उन्होंने किसी तरह की राजनीति नहीं की। आईसीसी ने उन्हें चेतावनी देते हुए भविष्य में इस तरह के बयानों से बचने को कहा।

गौरतलब है कि इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच तनाव पहले से ही गहरा था, जो इस विवाद से और बढ़ गया है। स्थिति इस हद तक बिगड़ गई कि मैच से पहले टॉस और बाद में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी

खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया। अब जबकि आईसीसी का आधिकारिक फैसला सामने आना बाकी है, क्रिकेट से ज्यादा राजनीति और विवाद सुर्खियों में हैं। फाइनल से पहले इस मामले ने दोनों देशों के बीच कड़वाहट को और गहरा कर दिया है और एशिया कप का रोमांच अब खेल से ज्यादा विवादों में उलझता जा रहा है।

सान्या मल्होत्रा ने राष्ट्रीय पुरस्कार जीत का अनोखे अंदाज़ में किया सेलिब्रेट

कटहल के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने के बाद, स्टार कलाकार सान्या मल्होत्रा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों में क्यों शामिल हैं। उनका सोशल मीडिया कैप्शन — कटहल नहीं मिला तो क्या हुआ, राष्ट्रीय पुरस्कार तो मिल गया — इस जश्न के मूड को बखूबी बयां करता है, जो उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत के बीच लंबे समय से इंतज़ार था। लेकिन यह सफलता कोई अकेली उपलब्धि नहीं है। सान्या का 2025 का सफर असाधारण संतुलन का प्रतीक है — 'सैम बहादुर' और शाहरुख़ ख़ान की 'जवान' में उनके प्रदर्शन को भी राष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाज़ा गया। चाहे भावनात्मक गहराई वाले किरदार हों या बड़े पैमाने पर बनी व्यावसायिक फ़िल्में — सान्या ने दिखा दिया कि वे हर क्षेत्र में निपुण हैं। सान्या की यात्रा को खास बनाता है उनका वह गुण जिससे वे समान रूप से इंडी और मुख्यधारा की फिल्मों में दर्शकों का ध्यान आकर्षित करती हैं। जहां 'कटहल' ने उन्हें आलोचनात्मक सराहना और राष्ट्रीय पुरस्कार दिलाया, वहीं उनकी आने वाली फिल्में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और एक ऐक्शन-कॉमेडी फ़िल्म (जिसकी शूटिंग इस साल शुरू होगी) उनके मेनस्ट्रीम स्टारडम को और मजबूत करती हैं।दर्शक अब सिर्फ़ उन्हें देख नहीं रहे — वे चाहते हैं कि सान्या बड़ी फ़िल्मों की मुख्य अभिनेत्री बनें और पूरी चमक के साथ स्क्रीन पर छा जाएं। यह जीत सान्या के करियर का एक निर्णायक मोड़ है, जो यह दर्शाती है कि वे हर किरदार में गहराई और सच्चाई के साथ जान फूंक देती हैं। उनके प्रशंसकों और साथियों के लिए यह जीत केवल एक पेशेवर उपलब्धि नहीं, बल्कि एक भावनात्मक पल भी रहा — यह याद दिलाता है कि सर्वोच्च स्तर पर मिलने वाला सम्मान दिल को भी छूता है।

मेरी ताकत परिवार का प्यार, इसने मेरी शक्ति को जगाया

साल 2024 की प्रेरक फिल्म 'लापता लेडीज' से अभिनय की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री प्रतिभा रांटा की यात्रा हर युवा अभिनेत्री के लिए मिसाल है। अमर उजाला से खास बातचीत में प्रतिभा ने अपनी इस यात्रा के ऐसे अनुभव साझा किए, जो हर महिला को अपने भीतर की ताकत पहचानने और हर चुनौती का हिम्मत से सामना करने के लिए प्रेरित करेंगे।

पहली फिल्म ने दी नई दिशा और आत्मविश्वास

पहली फिल्म ने मेरे लिए सब कुछ बदल दिया। अब मैं खुद फैसले ले सकती हूं, समझ सकती कि मैं क्या करना चाहती हूं और खुद को नए तरीके से चुनौती दे सकती हूं। नए प्रयोग करने का साहस तभी आता है जब आपने अपने पहले कदम में खुद को साबित किया हो और लोगों ने उसे पसंद किया हो। यह अनुभव मुझे नई एनर्जी और आत्मविश्वास देता है। अब कोई भी चुनौती मुझे डराती नहीं, बल्कि मुझे और मजबूत बनाती है।'

मुंबई का पहला कदम और नए अनुभव

'जब मैं शिमला से मुंबई आई, तब मुझे बिल्कुल नहीं पता था कि मेरा जीवन कैसे बदलेगा। यह मेरे लिए एक नई शुरुआत थी। शूटिंग के लिए अलग-अलग शहरों में जाना, नए लोगों से मिलना, पहली बार पर्दे पर अपनी कहानी पेश करना। हर दिन नए अनुभव और चुनौतियों से भरा था। कई बार लगा कि मैं आगे कैसे बढ़ूंगी, लेकिन हर मुश्किल ने मुझे और मजबूत बनाया। आज पीछे मुड़कर देखती हूं, तो पाती हूं कि यही अनुभव मेरी सबसे बड़ी ताकत बन चुके हैं।

अकेलेपन और संघर्ष का सामना

शुरूआती दौर में मुंबई में बहुत अकेलापन महसूस हुआ। हर दिन नए लोगों और नए प्रोजेक्ट्स के बीच खुद को साबित करना आसान नहीं था, लेकिन मैंने खुद से कहा- 'तुम्हारे भीतर ताकत है, छोटे-छोटे कदम बढ़ाते रहो।' मैंने छोटी-छोटी उपलब्धियों का जश्न मनाया। अपने अनुभवों से सीखा और कभी हार नहीं मानी। यही एहसास कि कठिनाइयों में भी हम खुद को संभाल सकते हैं, मेरी सबसे बड़ी ताकत बन गया।

करियर का टर्निंग पॉइंट

मेरा पहला ब्रेक फिल्म 'लापता लेडीज', करियर की टर्निंग पॉइंट बनी। यह सिर्फ मेरी शुरुआत नहीं थी बल्कि मेरी मेहनत और संघर्ष का परिणाम था। उस समय मुझे लगा कि मेरी कहानी अब लोगों तक पहुंचेगी और सच में ऐसा हुआ भी। उस दिन यकीन हुआ कि मेहनत, आत्मविश्वास और हिम्मत से हर सपना पूरा किया जा सकता है। यह सीख मुझे आज भी हर नई चुनौती के लिए तैयार रखती है।

डर और शंका को पार करना

नई राह पर कदम रखना हमेशा आसान नहीं होता। डर और संदेह आते हैं। मैं खुद से कहती हूं- 'प्रतिभा, चलते रहो ... गहरी सांस लो, खुद पर भरोसा रखो।' हर दिन एक छोटा कदम आगे बढ़ाना, चाहे कितना भी मुश्किल क्यों न लगे, यही मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। डर को समझना और उसके बावजूद कदम बढ़ाना ही सही रास्ता है।

परिवार और समर्थन की ताकत

मेरे परिवार, खासकर मेरे दादा-दादी, ने हर चुनौती में मेरा हौसला बढ़ाया। बॉलीवुड अनिश्चितताओं से भरा है, हर दिन नया संघर्ष और नई परीक्षा लेकर आता है। कई बार लगता है कि क्या मैं सफल हो पाउंगी, लेकिन परिवार का प्यार और समर्थन मुझे आगे बढ़ने की ताकत देता है। यही ताकत मुझे स्थिर रखती है और मेरे भीतर की शक्ति को जगाती है।

विक्की जैन का बॉलीवुड डेब्यू, पत्नी अंकिता ने दी बधाई

टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' से मशहूर हुईं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति भी अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। वह यामी गौतम और इमरान हाशमी की आने वाली फिल्म हक से बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। अंकिता लोखंडे ने अपनी पोस्ट में लिखा, मुझे आप पर बहुत गर्व है, प्यारे पति विक्की जैन। आपका हर कदम, आपकी हर उपलब्धि मुझे और भी ज्यादा उत्साहित करती है। अब इस अद्भुत फिल्म हक के सहयोगी निर्माता के रूप में आपकी लगन, कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता पहले से कहीं ज्यादा चमक रही है। उन्होंने फिल्म की टीम की सराहना करते हुए आगे लिखा, पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। विनीत सर, यामी, इमरान हाशमी, वर्तिका सिंह, संदीप, विशाल, जूही और इसमें शामिल सभी लोग। आप सभी को शुभकामनाएं। यह फिल्म लोगों के दिलों को छू लेगी और मैं इसे बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हूं। 7 नवंबर को यह रिलीज होने वाली है, तारीख याद रखें।

अंकिता ने आगे लिखा, संदीप सिंह, आप मेरे परिवार का हिस्सा हैं। एक प्रमुख अभिनेत्री के रूप में मेरी पहली फिल्म आपके साथ थी और अब विक्की के सफर के साथ। हमारा यह संबंध और भी मजबूत होने जा रहा है। आपके साथ होना हमारे लिए बहुत सौभाग्य की बात है। हमेशा आगे बढ़ते रहें। फिल्म हक के बारे में बात करें तो, यह मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम केस पर आधारित है। यह भारत की सबसे चर्चित कानूनी लड़ाइयों में से एक है। वहीं कुछ दिनों पहले अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन का एक्सीडेंट हुआ था। उनके हाथ में गंभीर चोट आई और 45 टांके लगे थे। तब अंकिता लोखंडे अस्पताल में उनकी देखभाल करती दिखाई दी थीं। इस दौरान वे अपने पति की हालत देख भावुक हो गई थीं।

गोलीबारी की घटना के बाद दिशा ने शुरू की अगली फिल्म की शूटिंग

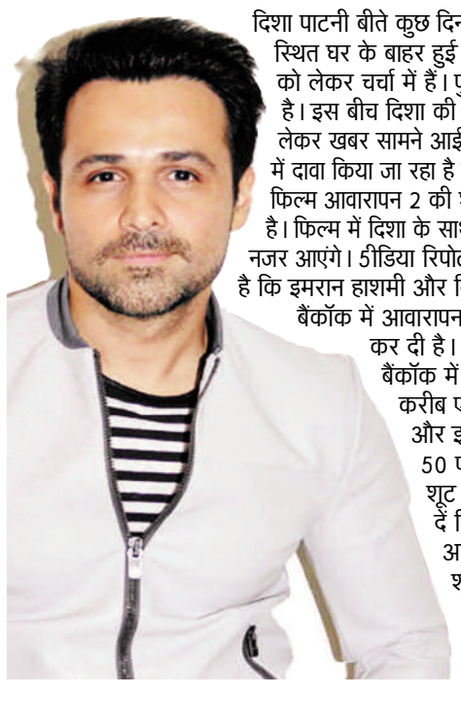

दिशा पाटनी बीते कुछ दिनों से अपने बरेली स्थित घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना को लेकर चर्चा में हैं। पुलिस जांच कर रही है। इस बीच दिशा की आगामी फिल्म को लेकर खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दिशा की अगली फिल्म आवारापन 2 की शूटिंग शुरू हो गई है। फिल्म में दिशा के साथ इमरान हाशमी नजर आएंगे। डीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि इमरान हाशमी और दिशा पटानी ने बैंकॉक में आवारापन 2 की शूटिंग शुरू कर दी है। कहा जा रहा है कि बैंकॉक में फिल्म का शेड्यूल करीब एक महीने कहा है और इस दौरान फिल्म का 50 फीसदी हिस्सा वहीं शूट किया जाएगा। बता दें कि इससे पहले खबर आई थी कि फिल्म की शूटिंग सितंबर के आखिर में शुरू होगी। अब खबरें हैं कि आवारापन 2 की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

लीड रोल में हैं दिशा पाटनी

कुछ वक्त पहले फिल्म को लेकर खबर आई थी कि विशेष भट्ट और नितिन कक्कड़ ने इमरान हाशमी के साथ आवारापन 2 के लिए अभिनेत्री दिशा पटानी को लीड रोल में साइन किया है। वहीं, पिंकविला के मुताबिक, फिल्म आवारापन 2 इस हफ्ते बैंकॉक में शूट हो रही है। फिल्म की शूटिंग वहां करीब महीनेभर चलेगी। यह एक मैराथन शेड्यूल है, जहां फिल्म का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा शूट किया जाएगा।

कब तक पूरी हो सकती है शूटिंग

रिपोर्ट के मुताबिक टीम फिल्म को मुख्य जगहों पर व्यापक स्तर पर शूट करना चाहती है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि निर्माता अपना सारा फोकस एक चार्टबस्टर म्यूजिक एल्बम को क्यूरेट करने पर लगा रहे हैं और सभी संगीतकारों के साथ मिलकर बेस्ट आउटपुट हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं। दरअसल, आवारापन फ्रेंजाईजी में म्यूजिक की अहम भूमिका है। मेकर्स इसके सीक्वल में संगीत के स्तर पर फैंस को निराश नहीं करना चाहते। बैंकॉक में फिलहाल करीब 30 दिन के शेड्यूल के बाद नवंबर में एक बार फिर से साथ जुटेगी।

झूठ बोलने के कारण ट्रोल हुए ये सेलेब्स

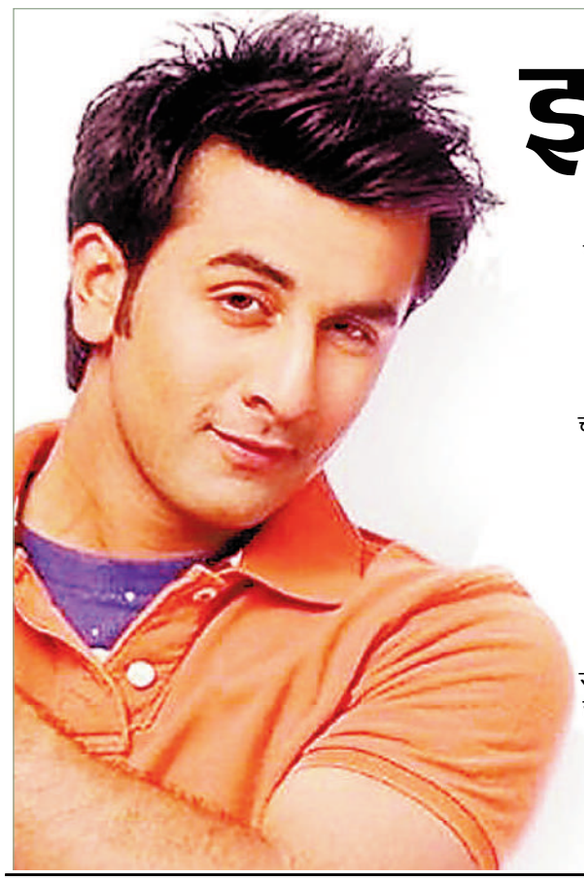

बॉलीवुड सेलेब्स अपनी इमेज को फैंस के सामने हमेशा चमका कर रखना चाहते हैं। कई स्टार्स अपने करियर स्ट्रगल को बढ़ा-चढ़ाकर बोलते हैं। कई एक्ट्रेस अपने लुक में आए चेंज को नेचुरल बताती हैं। वहीं कुछ स्टार्स अपनी बदली हुई आदतों से फैंस को इंप्रेस करने की कोशिश करते हैं। लेकिन ये सभी बातें आगे चलकर बहुत बड़ा झूठ साबित हो जाती हैं। झूठ बोलने के कारण ये सेलेब्स ट्रोल भी होते हैं।

रणबीर कपूर

पिछले साल निखिल कामथ के पॉडकास्ट में रणबीर कपूर ने जिक्र किया था कि बेटी राहा के जन्म के बाद उनकी जिंदगी में काफी बदलाव आया है, उन्होंने सिगरेट पीना भी छोड़ दिया है। लेकिन लगता नहीं है कि रणबीर कपूर अपनी बात पर टिक पाए। हाल ही में आर्यन खान निर्देशित सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में रणबीर कपूर ने कैमियो किया। सीरीज के एक सीन में वह वैप (ई सिगरेट) पीते दिखे। यूजर्स ने इस बात को लेकर रणबीर कपूर को ट्रोल किया।

मौनी रॉय

मौनी रॉय अक्सर ही अपने कॉस्मेटिक प्रोसिजर के कारण ट्रोल होती हैं। लेकिन वह कई इंटरव्यू में इस बात से इंकार कर चुकी हैं कि उन्होंने कोई प्लास्टिक सर्जरी कराई। मगर उनकी कई साल पुरानी तस्वीर और आज के लुक में जमीन-आसमान का अंतर है। ऐसे में मौनी रॉय का यह कहना कि कॉस्मेटिक सर्जरी नहीं कराई, अपने आप एक झूठ साबित हो जाता है।

रणवीर सिंह

रणवीर सिंह अपने करियर के शुरुआती स्ट्रगल का जिक्र बहुत करते हैं। कई फैंस उन्हें आउटसाइडर मानते हैं, क्योंकि रणवीर सिंह की बातों से लगता है कि उनका कोई फिल्मी कनेक्शन नहीं रहा है। जबकि रणवीर सिंह का बॉलीवुड से अच्छा-खासा नाता है। रणवीर सिंह की दादी चांद बर्क एक एक्ट्रेस थीं। चांद बर्क ने राज कपूर की फिल्म 'बूट पॉलिश' में अभिनय किया था।

फराह खान ने खोली पोल

फराह खान अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं। अपने यूट्यूब चैनल पर एक बार फराह खान ने बताया था कि एक्टर्स कई बातों को लेकर झूठ बोलते हैं। फराह खान बताती हैं कि जो सेलेब्स कहते हैं कि उनकी फिटनेस नेचुरल है, वह झूठ बोलते हैं। इसके लिए वह खुद को भूखा तक रखते हैं, 24 घंटे जिम में रहते हैं। इसके अलावा फराह खान ने बताया था कि जिम के बाहर पैपराजी को सेलेब्स खुद ही बुलाते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.9456884327, E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।